हिन्दी

कक्षा
6-8

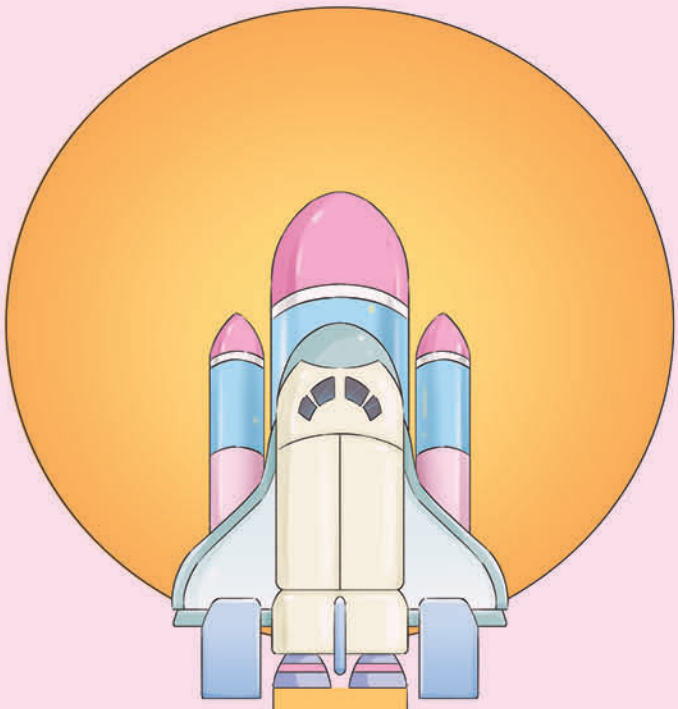

उड़ान

अध्यापक मार्गदर्शिका

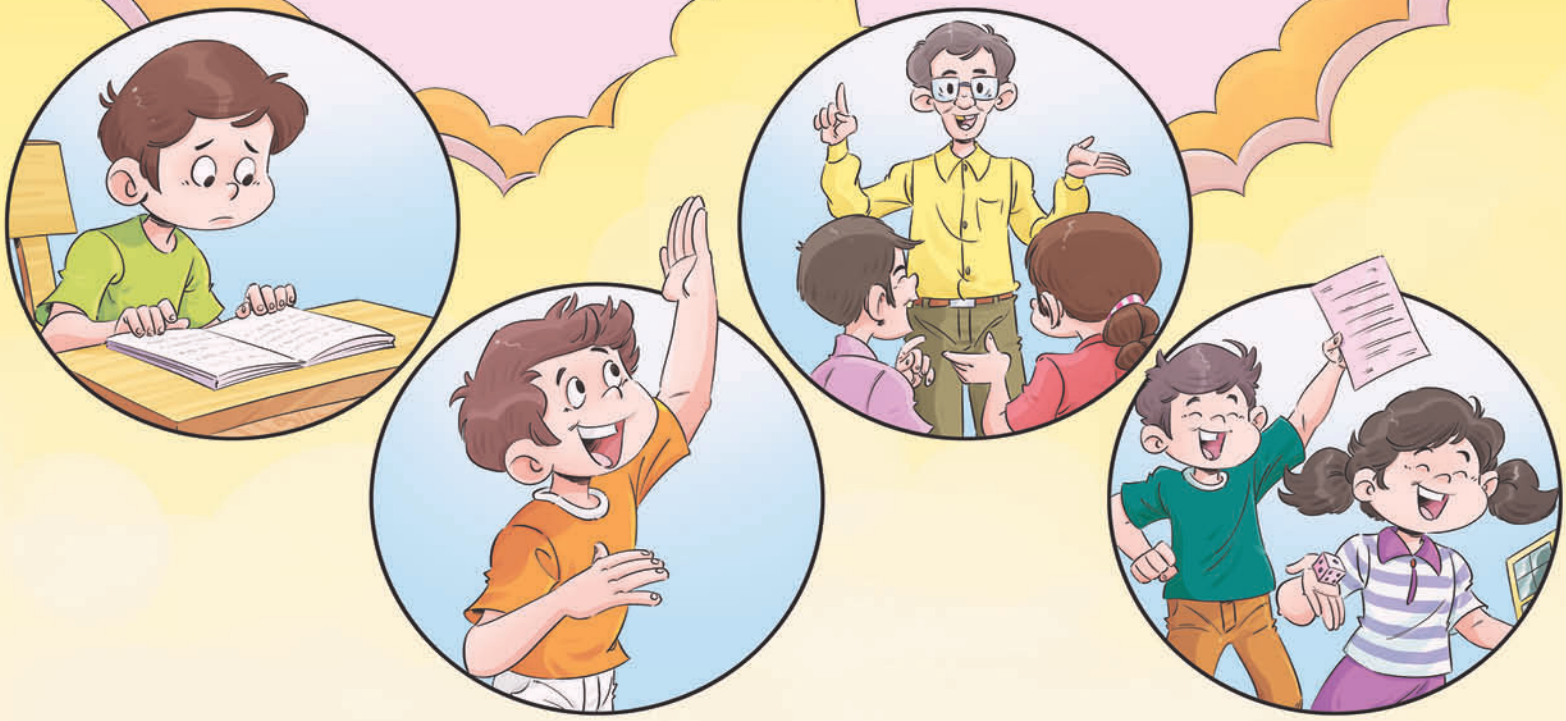

सन्देश

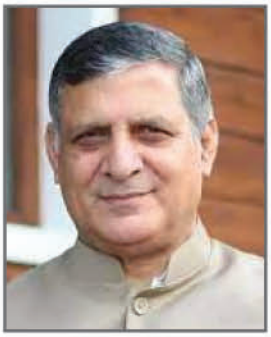

मुझे यह जानकर अति हर्ष हो रहा है कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, हरियाणा, गुरुग्राम के द्वारा हरियाणा के विद्यार्थियों के लिए निदानात्मक शिक्षण हेतु सतप्रयास किया गया है। विद्यार्थी हमारे देश का भविष्य हैं अतः उनके आंतरिक एवं बौद्धिक गुणों को विकसित एवं समृद्ध करने के लिए सीखने की प्रक्रिया में रह गई त्रुटियों, न्यूनताओं एवं कमियों को दूर करने के लिए यह परमावश्यक कार्य था। वस्तुतः वही देश और राष्ट्र शिखरस्पर्शी सफलताएं प्राप्त कर सकता है जो सीखने और सिखाने के क्षेत्रों में निरंतर नवीन निदानात्मक प्रयोग करेगा। मैं इस प्रयास से देश के भावी समाज की कल्पना को सरकार होते हुए देख रहा हूँ। अतः मैं इस परियोजना के समस्त निर्माताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ और उनके सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।

कंवर पाल गुज्जर

शिक्षा मंत्री

हरियाणा सरकार

सन्देश

देश एवं प्रदेश में फैली हुई इस विषम परिस्थिति में अपने देश की आगामी धरोहर रूपी प्रतिभाशाली छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं आपको इस पुस्तक के माध्यम से यह संदेश देना चाहता हूँ कि निसन्देह शिक्षक, विद्यालय में पूर्ण एवं प्रत्यक्ष रूप से बच्चों से रूबरू नहीं हो पाए हैं जिसके कारण छात्रों की अपेक्षित दक्षता में कुछ कमी आई है। मुझे आप पर पूर्ण विश्वास है कि आप अपनी सूझ–बूझ से अपने विषय को सरल और सुगम तरीकों से कार्यपत्रकों एवं क्रियाकलापों के माध्यम से पाठ्यपुस्तक में छपी हुई दक्षताओं से बच्चों को सक्षम करने में समर्थ हो जाएंगे। यह भी हो सकता है कि बच्चे अपनी कक्षा के स्तरानुसार उस ऊँचाई तक नहीं पहुँचे हों फिर भी आप पूर्व की कक्षाओं पर आधारित दक्षताओं द्वारा बच्चों को अपनी सुदृढ़ शिक्षण सामग्री से लाभान्वित करने में सफल हो जाएँगे। परिणामस्वरूप बच्चे भी अपनी वर्तमान कक्षा के स्तर के अनुरूप अपनी योग्यता को प्राप्त करने में सफल हो जाएंगे।

पुस्तक में बच्चों को समूह में चर्चा करने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं ताकि बच्चे हम उम्र साथियों के साथ कार्य करते हुए सीख सकें और अपनी बात को व्यक्त कर पाएंगे तथा सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के भागीदार बन सकेंगे। पुस्तक में कार्य करते समय बच्चों को बात करने परस्पर विचार विमर्श करने तथा विषयवस्तु को समझने के पर्याप्त अवसर प्रदान करें तथा उन्हें अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करें।

(डॉ. महावीर सिंह, भा.प्र.से.)

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के दृष्टिगत विद्यालय स्तर पर बच्चों की कक्षा के स्तरानुसार सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सुदृढ़ व समृद्ध बनाना है। प्रायः यह भी देखने में आया है कि गत वर्षों में वैश्विक महामारी के प्रकोप के कारण बच्चों का नियमित कक्षा शिक्षण अत्यंत बाधित रहा है। अधिकांश बच्चे वर्तमान कक्षा स्तर से पिछड़ गए हैं। बच्चे कक्षा के अनुरूप दक्षताएँ अर्जित करने में असमर्थ रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनके लिए उपचारी शिक्षण की आवश्यकता है। अतः विभाग के निर्देशानुसार एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरुग्राम ने कक्षावार व विषयवार विद्यार्थियों के लिए कार्य–पुस्तिका एवं शिक्षक–संदर्शिका का निर्माण किया है। विद्यार्थियों के लिए जो कार्यपत्रक तैयार किए है एवं गतिविधियां सम्मिलित की गई हैं, वे कक्षा के स्तरानुसार सरल, रोचक, परिवेश पर आधारित एवं ज्ञानपरक हैं। कार्यपत्रक में दी गई विषयवस्तु बच्चों को न केवल कक्षा–कक्ष के अनुरूप लाने में सहायक सिद्ध होगी, अपितु उन्हें परिवेश पर आधारित जानकारी हेतु परिवार, समाज, बाल–साहित्य, समाचार–पत्र, पुस्तकालय आदि से भी जुड़ने का अवसर प्रदान करेंगी।

कक्षावार व विषयवार शिक्षक–संदर्शिका अध्यापकों के लिए इस उद्देश्य से तैयार की गई है कि विद्यार्थियों को कार्यपत्रक में वर्णित गतिविधियाँ कराने हेतु दिशा–निर्देश समझकर अपना कार्य निसंकोच कर सकें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि शिक्षक साथी इस कार्य को रुचिपूर्वक व तन्मयता के साथ करेंगे तथा बच्चों के शिक्षण अभाव की पूर्ति करते हुए उन्हें वर्तमान कक्षा–स्तर के समकक्ष लाने में समर्थ होंगे। मैं सभी निर्माण–समिति के सदस्यों एवं शिक्षक साथियों द्वारा इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ।

निदेशालय उन सभी सुझावों का भी स्वागत करेगा जो कार्यपत्रक के स्वरूप को विस्तार देने और निखारने में सहायक होंगे।

(डॉ. जे. गणेशन, भा.प्र.से.)
राज्य परियोजना निदेशक

प्राक्कथन

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शिक्षक, शिक्षार्थी तथा कक्षा वातावरण की विशेष भूमिका होती है। एक शिक्षक ही शिक्षार्थी का भविष्य निर्माता होता है। भविष्य की नींव कक्षा–कक्ष में निर्मित की जाती है। किसी भी राष्ट्र की सुदृढ़ नींव के लिए जरूरी है कि प्राथमिक स्तर से ही शिक्षण प्रक्रिया को सरल, सुगम, रोचक एवं प्रभावी बनाया जाए। इसी स्तर पर बच्चे की सीखने की प्रक्रिया का प्रारंभ होता है। सीखना व सीखे गए ज्ञान को अर्जित करना, अर्जित ज्ञान को व्यावहारिक जीवन में कब, कहाँ और कैसे क्रियान्वित करना है यह सब सिखाना जहाँ सामान्य परिस्थितियों में शिक्षक के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, वहीं पर गत दो वर्षों के दौरान कोरोना जैसी वैश्विक महामारी ने बच्चों की दिनचर्या को एकदम ही बदल दिया है। ऐसी स्थिति में बच्चों को पढ़ाना शिक्षकों के लिए और भी चुना. ैतीपूर्ण हो गया है। विद्यालय न आ पाने के कारण, उन्हें जो याद था, वह भी धीरे–धीरे विस्मृत होने लगा है। बच्चों की अधिगम क्षमता भी क्षीण होने लगी है, हालांकि विभाग द्वारा अनेकों ऑनलाइन कार्यक्रम चलाए गए हैं, तथापि कुछ बच्चे औसत से भी कम स्तर पर पहुँच गए हैं। इस अभाव की पूर्ति हेतु विभाग द्वारा इस दिशा में प्रोजेक्ट 'उड़ान' के अन्तर्गत कक्षा 4 से 8 तक विषयवार कार्यपत्रक तैयार करने का प्रयास किया गया है, जिसमें अधिगम दक्षताओं को आधार मानकर ऐसी अनेकानेक गतिविधियाँ तैयार की गई हैं जिन्हें करने के उपरांत विद्यार्थियों का अधिगम संवर्धन करने के साथ–साथ उन्हें कक्षा के समकक्ष लाने में भी सफलता मिलेगी। कार्यपत्रक बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि सभी बच्चे रुचिपूर्वक स्वयं कार्य करें। सभी की सक्रिय प्रतिभागिता हो ताकि उनमें रचनात्मक प्रवृत्ति का विकास हो तथा परिवेश से जुड़ाव अनुभव करते हुए वे स्वतंत्र अभिव्यक्ति करने में समर्थ हों सके। इसके अतिरिक्त प्रत्येक कक्षावार व विषयवार शिक्षक संदर्शिका का भी निर्माण किया गया है, जिसमें कार्यपत्रक के सुझावों के अनुसार गतिविधियों को करने हेतु शिक्षक के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए हैं।

इस कार्यक्रम की सफलता का दायित्व आप सभी शिक्षकों पर निर्भर है, शिक्षक कक्षा–कक्ष में ऐसा वातावरण निर्मित करें जिसमें बच्चे स्वच्छता के साथ संजोए गए कल्पना रूपी सपनों को साकार करने के लिए ऊँची उड़ान भरने योग्य बन सकें।

उक्त पुस्तिकाओं के निर्माण हेतु सभी प्रतिभागी सदस्यों व शिक्षकों द्वारा दिए जाने वाले सुझावों का भी मैं सदैव स्वागत करता हूँ।

(अंशज सिंह, भा.प्र.से.)
निदेशक मौलिक शिक्षा
हरियाणा

आभार

कोविड वैश्विक विपदा के दौरान विद्यार्थियों की शिक्षा में जो बाधाएँ उत्पन्न हुई है, उस कमी को पूरा करने के लिए परिषद् के विशेषज्ञों ने अध्यापकों एवं छात्रों के साथ बात करके शिक्षा में गुणवत्ता हेतु एवं विद्यार्थियों की सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को और सुदृढ़ करने के लिए छात्रों हेतु कार्यपुस्तिका एवं शिक्षकों के लिए संदर्शिका का बच्चों के स्तरानुसार निर्माण किया गया है। इस शिक्षण सामग्री की गतिविधियों, तुलनात्मक विश्लेषण, चर्चा, मनोरंजक उदाहरणों, सरल विधियों एवं अनुभवों के आधार पर तैयार किया गया है।

इस कार्यपुस्तिका एवं संदर्शिका के निर्माण में सम्मिलित व्यक्तियों एवं संस्थ. ाओं के बहुमूल्य योगदान के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् हरियाणा, गुरुग्राम आभार व्यक्त करता है।

परिषद् इस संदर्शिका की परिकल्पना को साकार करने एवं आपके हाथों तक पहुँचाने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए सभी व्यक्तियों के अथक प्रयासों की सराहना करती है।

इस संदर्शिका के पुनरावलोकन एवं तकनीकी सहयोग में परिषद्, एन.सी.ई.आर.टी. के विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करती है, इन्होंने अपने अथक प्रयासों से समयानुसार अपने अनुभवों से लाभान्वित किया है।

परिषद् के इस प्रोत्साहन हेतु सम्पूर्ण स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार के नेतृत्व का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

इस कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में मौलिक शिक्षा विभाग एवं शिक्षा परियोजना, पंचकूला की पहल व परामर्श एवं सक्रिय भूमिका के लिए परिषद् उनका धन्यवाद करती है।

इस संदर्शिका के प्रकाशन के लिए परिषद् शिक्षा विभाग हरियाणा के योगदान के लिए आभार ज्ञापित करती है।

विवेक कालिया
निदेशक
रा.शै.अनु.प्रशि.परि.
हरियाणा, गुड़गाँव

निर्माण समिति

संरक्षक मंडल	डॉ. महावीर सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, विद्यालय शिक्षा, हरियाणा, चण्डीगढ़। डॉ. जे.गणेशन, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् डॉ. अशंज सिंह, निदेशक, मौलिक शिक्षा, हरियाणा।
मार्गदर्शन	श्री विवेक कालिया, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम
मुख्य समन्वयक समिति	श्री रविन्द्र कुमार अहलावादी, उपनिदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम श्री सुनील बजाज, उपनिदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम डॉ. दीप्ति बोकन, अध्यक्ष, करीकुलम एवं पेडागॉजी विभाग, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम श्रीमती कल्पना रश्मि गौड़, सलाहकार, पेडागॉजी विभाग, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्
मुख्य सलाहकार	डॉ. रमेश कुमार, सह आचार्य, प्रांरभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
विषय विशेषज्ञ एवं समन्वयक समिति	श्रीमती सीमा वधवा (हिन्दी)
हिन्दी	डा. पंकज गौड़, प्राध्यापक, से.मु.रा.व.मा.वि. निवाज नगर, महेन्द्रगढ डा. विजय कुमार चावला, प्राध्यापक, रा.मॉ.सं.व.मा.वि. क्योडक, कैथल डा. हरपाल ग्रोवर, प्राध्यापक, रा.क.व.मा.वि. रतिया, फतेहाबाद श्रीमती किरण डारोलिया, बी.आर.पी. खरखौंदा, सोनीपत

विषय-सूची

कक्षा-6 1-8

- पाठ 1 : वह चिड़िया जो (कविता)
- पाठ 2 : बचपन (संस्मरण)
- पाठ 3 : नादान दोस्त (कहानी)

कक्षा-7 9-15

- पाठ 1 : हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)
- पाठ 2 : दादी माँ
- पाठ 3 : हिमालय की बेटियाँ (निबंध)

कक्षा-8 16-21

- पाठ 1 : ध्वनि (कविता)
- पाठ 2 : लाख की चूड़ियाँ (कहानी)
- पाठ 3 : बस की यात्रा (व्यंग्य)

कक्षा-6

पाठ 1 वह चिड़िया जो (कविता)

उद्देश्य

- विद्यार्थी कविता को हाव–भाव, लय–ताल, उतार–चढ़ाव के साथ प्रस्तुत कर पाएँगे।
- कविता की व्याख्या कर पाएंगे।
- कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पाएंगे।
- कविता की विशेषताओं, कविता के सामान्य तत्वों का परिचय प्राप्त कर पाएंगे।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 601, 614

प्रथम गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को कविता की लय और मिलते–जुलते शब्दों का ज्ञान प्रदान करना है। सबसे पहले शिक्षक श्यामपट्ट पर कविता की पंक्तियों को लिखे। किसी एक विद्यार्थी से कविता की पंक्तियों का उच्चारण करने के लिए कहें। समवेत स्वर में सभी विद्यार्थी उन पंक्तियों का अनुकरण वाचन करें। अनुकरण वाचन करने के उपरांत शिक्षक प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखें। अब विद्यार्थी दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते शब्द अलग कर लें। सभी अपने–अपने उत्तर लिखकर उत्तरपुस्तिकाएँ एक दूसरे से बदल लें। अब शिक्षक स्वयं सभी प्रश्नों के उत्तरों की घोषणा करें। विद्यार्थी उनके साथ अपने उत्तर का मिलान करें। जिन विद्यार्थियों की त्रुटियाँ रह गई हैं, उनका शंका समाधान किया जाए। विद्यार्थियों को इसी प्रकार कुछ और मिलते–जुलते शब्द बताने की छूट दी जा सकती है इससे वे अधिक सहजता के साथ इस गतिविधि का आनंद ले पाएंगे।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 605, 610

अगली गतिविधि है समझ के साथ पढ़ना। पढ़िए और समझिए। यदि विद्यार्थी बिना समझ के पढ़ता है तो वह पढ़ना किसी काम का नहीं है। अतः जो पंक्तियाँ दी गई हैं उन्हें ध्यान से पढ़कर, विद्यार्थी को पुनः दूसरे रूप में लिखना है। शिक्षक पंक्तियों को श्यामपट्ट पर लिखें। उदाहरण के माध्यम से विद्यार्थियों को समझा दिया जाए कि किस प्रकार से उन्हें पंक्तियों को परिवर्तित करना है। ऐसा किए जाने के पश्चात् तीनों पंक्तियाँ शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर लिख दी जाए। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में अपनी ओर से अपने उत्तर लिखकर जांच के लिए उत्तरपुस्तिकाएँ शिक्षक को दें। शिक्षक सभी की जांच करें। जिस विद्यार्थी की जहां शंका है, त्रुटि है, उसका समाधान किया जाए।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 604, 606

चित्र देखकर शब्द पूरे करना। यह गतिविधि विद्यार्थियों के लिए बहुत ही मनोरंजक है। चित्र विद्यार्थियों को बहुत अच्छे लगते हैं। इस गतिविधि के लिए बहुत आवश्यक है कि शिक्षक के पास चिड़िया, पक्षी की चोंच तथा पेड़ का चित्र हो। यदि सभी विद्यार्थियों के लिए चित्रों की व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है तो शिक्षक अधूरे शब्द श्यामपट्ट पर लिखे। केवल तीन चित्रों के माध्यम से भी इस गतिविधि को करवा सकते हैं। वे पूरी कक्षा को एक चित्र दिखा दें। उसी चित्र के आधार पर विद्यार्थियों को अपनी उत्तरपुस्तिका में उत्तर लिखने को कहें। इस प्रकार पहले चिड़िया का चित्र दिखाया जाए। तत्पश्चात् पक्षी की चोंच का चित्र, अंत में पेड़ का चित्र दिखाकर विद्यार्थियों को अपना कार्य पूरा करने के लिए कहा जाए। जब सभी विद्यार्थी कार्य समाप्त कर लें, शिक्षक द्वारा उत्तरपुस्तिकाओं की जांच करके परिणाम घोषित किया जाए।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 605, 614

वर्णों को सही क्रम मे रखते हुए शब्द बनाएं। विद्यार्थियों के लिए यह अत्यंत रोचक गतिविधि है। इस गतिविधि के माध्यम से तीन वर्णो द्वारा उन्हें शब्द निर्माण करना है। शिक्षक सभी प्रश्न वर्ण श्यामपट्ट पर लिख दें। एक उदाहरण के माध्यम से उन्हें क्या कार्य करना है, उस संदर्भ में बताए। अब सभी विद्यार्थी अपने–अपने उत्तर अपनी–अपनी उत्तरपुस्तिका में लिख लें। उत्तरपुस्तिका आपस में परिवर्तित करवा ली जाएं। शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे। एक विद्यार्थी के द्वारा उन उत्तरों की घोषणा हो। उन्हीं के आधार पर सभी उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाए। जिन–जिन विद्यार्थियों ने त्रुटियाँ की हैं उनकी घोषणा कक्षा में हो। उनकी त्रुटियों का शंका समाधान शिक्षक द्वारा किया जाए।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 611, 613

गुण बताने वाले शब्दों की पहचान के माध्यम से विद्यार्थी विशेषण शब्दों की पहचान कर पाएँगे। इस कविता में बहुतायत मात्रा में इस प्रकार के शब्द मौजूद हैं। शिक्षक सभी प्रश्न वाक्यांशों को श्यामपट्ट पर लिख लें। विद्यार्थी विवेकानुसार उनके उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखे। उत्तरपुस्तिकाएँ विद्यार्थियों द्वारा आपस में परिवर्तित कर ली जाएँ। तत्पश्चात् शिक्षक के द्वारा सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे जाए। इन उत्तरों का उच्चारण दो विद्यार्थी करें। तत्पश्चात् शिक्षक के द्वारा आदर्श उच्चारण के साथ उत्तर बताया जाए। इस आधार पर सभी विद्यार्थियों का मूल्यांकन हो। जिन विद्यार्थियों ने त्रुटियां की हैं, उनका शंका समाधान शिक्षक द्वारा किया जाए।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 613, 614

दिए गए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरा कीजिए। इस गतिविधि के अंतर्गत मुख्य रूप से सर्वनाम शब्दों का रखा गया है। इस गतिविधि द्वारा विद्यार्थी सर्वनाम के प्रयोग को सक्षमता के साथ समझ पाएँगे। शिक्षक सर्वनाम की परिभाषा देते हुए सर्वनाम के महत्त्व के बारे में विद्यार्थियों को बताएं। सभी रिक्त स्थान श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँ। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में अपने विवेकानुसार उत्तर लिखें। दो–तीन विद्यार्थी उनके द्वारा लिखे गए उत्तरों का वाचन करे। तत्पश्चात् शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे। इसी आधार पर कक्षा के सभी विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाए।

गतिविधि - 7 व 8 दक्षता कोड - 606, 614

दिए गए शब्दों से सही अर्थ वाले शब्द चुनकर कविता में आए शब्दों के सामने खाली स्थान पर भरें। दिए गए शब्दों की सहायता से दो–दो शब्द बनाइए। इस गतिविधि के माध्यम से एक–एक वर्ण विद्यार्थियों को दिया गया है। जिसे आरंभ करते हुए विद्यार्थियों को दो–दो नए शब्द बनाने हैं। जैसे मो वर्ण का प्रयोग करते हुए–मोटी, मोका शब्द बना सकते हैं। शिक्षक प्रारंभिक वर्णों का श्यामपट्ट पर लिखे। विद्यार्थी विवेकानुसार उत्तर उत्तरपुस्तिका में लिखे। तत्पश्चात् सभी विद्यार्थियों को क्रम से अपने–अपने उत्तर बताने के लिए कहा जाए। इस गतिविधि में सभी विद्यार्थियों के उत्तर अलग–अलग हो सकते हैं। हम केवल प्रथम वर्ण दे रहे हैं, शेष वर्णों का चयन विद्यार्थी अपनी ओर से करेंगे। कक्षा के समक्ष प्रस्तुतीकरण के समय जिस भी विद्यार्थी की त्रुटि रहती है। शिक्षक उसी समय उसकी शंका का समाधान करे। सही शब्द श्यामपट्ट पर लिखे। इस प्रकार इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी अनेक नए शब्दों का परिचय प्राप्त कर पाएँगे। उनके भाषा ज्ञान में वृद्धि होगी।

पाठ 2 बचपन (संस्मरण)

उद्देश्य

- विद्यार्थी संस्मरण विधा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- पाठ का उतार–चढ़ाव के साथ वाचन कर सकेंगे।
- पाठ से संबंधित प्रश्न के उत्तर दे सकेंगे।
- भाषा के साथ व्याकरण की समझ का विकास।
- गद्यांश को पढ़कर उसे समझ सकेंगे तथा उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 614

प्रथम गतिविधि के माध्यम से हमें विद्यार्थियों के मात्रा संबंधी ज्ञान को समृद्ध करना है। हिंदी भाषा में मात्राओं का विशेष महत्व है। प्रायः ज्ञान के अभाव में विद्यार्थी अनेक प्रकार की त्रुटियाँ करते हैं। मात्रिक अशुद्धियों से बचाने के लिए मात्राओं के उच्चारण एवं प्रयोग के प्रति ध्यान दिए जाने की महती आवश्यकता है। इस गतिविधि के माध्यम से ए की मात्रा, ओ की मात्रा, ई की मात्रा, औ की मात्रा का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाना है। अतः शिक्षक पहले इन मात्राओं के संदर्भ में भली प्रकार से विद्यार्थियों को समझा दे। विद्यार्थियों को गतिविधि की छायाप्रति उपलब्ध करवाई जा सकती है अथवा श्यामपट्ट पर एक बॉक्स में सभी शब्द लिख लिए जाएं। चार अलग–अलग वर्ग बनाकर उनके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी उत्तरपुस्तिका में शब्द पहचान कर लिखने के लिए कहा जाए। दो–तीन विद्यार्थी खड़े होकर मात्राओं के अनुसार शब्दों का उच्चारण करें। शिक्षक आदर्श वाचन के माध्यम से सही उत्तर विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करें। जिससे विद्यार्थी अपने उत्तरों से मिलान कर सकें।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 610

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी दिए गए शब्दों की सहायता से इस ग्रिड को पूरा करेंगे। शिक्षक सर्वप्रथम इस ग्रिड को श्यामपटट् पर बनाए तत्पश्चात विद्यार्थी बारी–बारी से इस ग्रिड में शब्द लगाकर पूरा करने का प्रयास करें और उनका उच्चारण करें, जिससे शेष विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका से इस ग्रिड को पूरा करें। इस गतिविधि को करने के लिए शिक्षक बच्चों को निर्देश दें।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 606, 614

शब्दों को ध्यान से पढ़िए, समझिए और पुनः लिखिए इस गतिविधि के माध्यम से सामान्य प्रयोग की भाषा में आने वाले ऐसे शब्द जो विदेशी भाषा से लिए गए हैं, जिन का उच्चारण जटिल है, जिन्हें लिखने में विद्यार्थी परेशानी महसूस करते हैं, उन शब्दों को रखा गया है। शिक्षक इन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखे। उनका शुद्ध उच्चारण किया जाए। चार–पांच विद्यार्थियों से इनका उच्चारण करने को कहा जाए। तत्पश्चात् सभी विद्यार्थी अपने उत्तरपुस्तिका में शब्दों की बनावट को ध्यान में रखते हुए इस कार्य को करें। शिक्षक कार्य का मूल्यांकन करें।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 602, 610

सामान्य जीवन में विद्यार्थी अनुकरण के माध्यम से सीखते हैं। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आस–पास की वस्तुओं को ध्यान से देखना और व्यक्त करना सिखाया जाना है। इस गतिविधि में फ्रॉक, निकर, स्कर्ट, ट्यूनिक आदि कपड़ों

के नाम दिए गए हैं। विद्यार्थियों को उनके आसपास लोग जिस प्रकार के वस्त्र पहनते हैं उनके नाम बताना और लिखना है। शिक्षक दिए गए वस्त्रों के नाम श्यामपट्ट पर लिख दे तथा विद्यार्थियों से अपने विवेकानुसार उत्तरपुस्तिका में पांच वस्त्रों के नाम लिखने के लिए कहे। एक विद्यार्थी खड़ा होकर अपने उत्तर को घोषित करें। शेष विद्यार्थियों से कहा जाए कि इनके अतिरिक्त जिन वस्त्रों के नाम उन्होंने लिखे हैं, वह उनके बारे मे बताए। इस प्रकार पुनरावृति से बचा जा सकेगा। जब सभी विद्यार्थी मौखिक रूप से अपने उत्तर दें तत्पश्चात् शिक्षक लिखे हुए कार्य की जांच करें ताकि मात्रिक अशुद्धियों को दूर किया जा सके।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 603, 605

छूटे गए शब्दों की सहायता से कहानी का पूरा कीजिए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी को अपने विवेकानुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति करनी है। यह गतिविधि विद्यार्थी की कल्पना शक्ति का विकास करेगी। मौलिक चिंतन की दिशा में उसे प्रवृत करेगी। उसके भाषा सामर्थ्य को विकसित करेगी। शिक्षक श्यामपट्ट पर कहानी को रिक्त स्थान के साथ लिख दे। सभी विद्यार्थियों से उत्तर पुस्तिका में इसी प्रकार लिखने के लिए कहा जाए ताकि विद्यार्थियों मे लेखन कौशल का विकास हो। विद्यार्थी रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। दो–तीन विद्यार्थी खड़े होकर अपनी–अपनी कहानी का वाचन करें। त्रुटि रहने पर शिक्षक की ओर से शंका समाधान हो। अंत में शिक्षक स्वयं श्यामपट्ट पर कहानी के सही उत्तर भर दें।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 605, 610

शब्दों को सही क्रम में लगाकर सार्थक वाक्य बनाइए। इस गतिविधि के माध्यम से हमें विद्यार्थियों के वाक्य निर्माण संबंधी ज्ञान को सुदृढ़ करना है। शिक्षक सभी वाक्यांश श्यामपट्ट पर लिख दें। विद्यार्थियों को बता दिया जाए कि इन्हीं शब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें वाक्य निर्माण करना है। वाक्य के तत्वों की जानकारी भी उन्हें दी जाए। जैसे घोड़ा घास पीता है। किसी एक तत्व की अनदेखी करने से भी वाक्य निर्माण में बाधा पहुंचती है। विद्यार्थी अपने विवेकानुसार वाक्यों का निर्माण अपनी उत्तरपुस्तिका में करें। उत्तरपुस्तिकाएं एक दूसरे विद्यार्थी के साथ परिवर्तित कर ली जाए। शिक्षक श्यामपट्ट पर सही उत्तर लिखे। सभी विद्यार्थी उसके आधार पर प्राप्त उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन करे। जिन विद्यार्थियों ने त्रुटियां की है, उनकी घोषणा सामूहिक रूप से हो। शिक्षक श्यामपट्ट के माध्यम से उन त्रुटियों को दूर करे। इस प्रकार रोचक और आनंददायक तरीके से विद्यार्थी वाक्य निर्माण की प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 613, 614

अनुस्वार और अनुनासिक वर्ण वाले शब्द की पहचान कर उचित स्थान पर लिखिए। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुस्वार और अनुनासिक की परिभाषा से परिचित करवाना, ऐसे शब्दों की पहचान करना और उचित स्थान पर उनका प्रयोग करना सिखाना है। शिक्षक सभी शब्दों को श्यामपट्ट पर लिख दे। विद्यार्थियों को अपनी उत्तरपुस्तिका में अनुस्वार और अनुनासिक अलग–अलग लिखकर शब्दों का पहचानने के लिए कहे। इससे पहले विद्यार्थियों को अनुस्वार और अनुनासिक की परिभाषा, उसके पहचान के तरीके और उच्चारण के विषय में अवश्य बता दिया जाए। जब सभी विद्यार्थी अपने उत्तर लिख लें तो उन्हें खड़े होकर उत्तर देने के लिए कहा जाए। इस गतिविधि में उच्चारण का विशेष महत्व है। अतः सभी विद्यार्थियों को इसमें शामिल किया जाए। सभी विद्यार्थी खड़े होकर शब्दों की पहचान करें, उनका उच्चारण करें। इससे उनके अनुस्वार ओर अनुनासिक ज्ञान को स्थायी करने में सहायता मिलेगी। जो भी विद्यार्थी, जिस भी शब्द का गलत उच्चारण करता है शिक्षक उसी समय उसे ठीक उच्चारण करने के लिए प्रेरित करे।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 606, 608

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को अखबार की खबर पढ़कर उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर देने है। इसके लिए शिक्षक किसी एक बच्चे को यह समाचार ऊँची आवाज में पढ़ने को कहें। तत्पश्चात् बच्चों से मौखिक रूप से इन प्रश्नों के उत्तर पूछे जाएं और उत्तर अपनी–अपनी पुस्तिका में लिखने को कहा जाए। विद्यार्थी स्वंय समझकर भी इन प्रश्नों के उत्तर लिख सकते है।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 608, 613

दिए गए शब्दों को ध्यान से पढ़कर बताइए कि वह किस–किस काल से संबंधित है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को काल के संदर्भ में जानकारी दी जानी है। अतः शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि यह गतिविधि करवाने से पहले विद्यार्थियों को काल की परिभाषा, उसके भेद आदि के बारे मे विस्तार से बता दिया है। वह काल की पहचान करने में सक्षम है। यह कार्य करने के उपरांत सभी प्रश्न श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं। विद्यार्थी अपने विवेकानुसार उनका उत्तर लिखें। उत्तरपुस्तिकाएं आपस में परिवर्तित करवा दी जाएं तत्पश्चात् शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे। उनके आधार पर सभी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन हो। जिन विद्यार्थियों ने त्रुटियां की हैं, उनके नाम घोषित किए जाएं तथा त्रुटियों को ठीक किया जाए।

पाठ 3 नादान दोस्त (कहानी)

उद्देश्य

- नादान दोस्त पाठ का वाचन करना।
- पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने का सामर्थ्य विकसित करना।
- अन्य विधाओं का ज्ञान प्राप्त करना।
- विभिन्न विधाओं को पढ़कर उसे अपनी भाषा में व्यक्त करने का सामर्थ्य विकसित करना।
- अभिव्यक्ति कौशल का विकास।
- भाषा के साथ व्याकरण की समझ का विकास।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 602, 612

ध्यान से पढ़िए और समझिए। यदि विद्यार्थी एकाग्र भाव से भाषा को सुनना, पढ़ना और समझना सीख जाते हैं तो उनमें श्रेष्ठ भाषिक सामर्थ्य का विकास होता है। इस गतिविधि के माध्यम से हम हिंदी की अपनी एक विशेष विशेषता शिष्टाचार के बारे में विद्यार्थियों को सिखाएंगे। किस प्रकार हिंदी में हम एकवचन को बहुवचन बनाकर आदर देते हैं। भाषा के आदरसूचक प्रयोग का ज्ञान देना इस गतिविधि का उद्देश्य है। जैसे व्याकरणिक दृष्टि से वाक्य होना चाहिए।

पिताजी आया है।

परंतु आदरसूचक होने के कारण हम प्रयोग करते हैं।

पिताजी आए हैं।

इस प्रकार पिता को बहुवचन मान हमने उन्हें आदर दिया है। यह हिंदी भाषा की अपनी विशेष विशेषता है। विद्यार्थियों को इससे अवश्य परिचित होना चाहिए। शिक्षक दी गई पंक्तियां श्यामपट्ट पर लिखेंगे। विद्यार्थियों को भाषा की आदरसूचक विशेषताओं से परिचित करवाएंगे। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में अपने विवेकानुसार इसे पुनः लिखेंगे। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका आपस में परिवर्तित करेंगे। शिक्षक द्वारा सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखा जाएगा। उसके आधार पर उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। उत्तरपुस्तिकाएँ पुनः परिवर्तित होंगी। चार–पांच विद्यार्थियों द्वारा सही उत्तरों का वाचन किया जाएगा।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 613, 614

इस गतिविधि को करवाने के लिए बच्चों को अनुस्वार (ं) और अनुनासिक (ँ) की पहचान बताई जाए। तत्पश्चात बच्चों को किस शब्द पर अनुस्वार लगेगा और किस पर अनुनासिक का प्रयोग होगा। शिक्षक शब्दों को श्यामपटट् पर लिखे और उस पर अनुस्वार और अनुनासिक का चिह्न लगाएं। बच्चे श्यामपटट् पर देखकर सही चिह्न का प्रयोग करें।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 614

विपरीतार्थक शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण एक आनंददायक गतिविधि है। जिसके माध्यम से विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि की जाती है। शिक्षक सभी प्रश्न श्यामपट्ट पर लिख दें। रेखांकित शब्दों का उच्चारण करने के लिए विद्यार्थी को कहा जाएगा। अपने–अपने विवेक से विद्यार्थी उसके विपरीतार्थक शब्द को उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे। विपरीतार्थक शब्दों के आधार पर पूरे वाक्य अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। शिक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 610, 613

वाक्यों को ध्यान से पढ़िए, समझिए और उदाहरण की सहायता से पुनः लिखिए। इस गतिविधि के माध्यम से मुख्य रूप से विद्यार्थियों को क्रिया विशेषण के संदर्भ में ज्ञान दिया जाना है। अतः शिक्षक क्रिया विशेषण की परिभाषा उसकी पहचान के विषय में विद्यार्थियों को अवश्य बता दें। तत्पश्चात् सभी वाक्य श्यामपट्ट पर लिख दे। उदाहरण के माध्यम से उन्हें समझा दिया जाए कि क्या करना है। जैसे–

केशव स्टूल से उतरा और बोला।

केशव स्टूल से उतरकर बोला।

इसी प्रकार विद्यार्थी सभी वाक्यों को विवेकानुसार परिवर्तित करें। शिक्षक कार्य की जाँच करे।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 610, 614

छोटे गोले में शब्द और उसके आस–पास दिए गए शब्दों के माध्यम से विद्यार्थियों को वाक्य निर्माण के लिए प्रेरित करना है। वाक्य निर्माण की प्रक्रिया को सिखाने के लिए बहुत ही रोचक तथा आनंददायक गतिविधि है। शिक्षक श्यामपट्ट पर गोला बनाए। उसके बीच में होली शब्द लिखें। आसपास रंग गुलाल, पिचकारी, गुब्बारे, होली पूजन, माला आदि शब्द लिखे जाएं। अब विद्यार्थियों को इन्हीं शब्दों का प्रयोग करते हुए नए–नए वाक्य बनाने के लिए प्रेरित किया जाए। सभी विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में वाक्य निर्माण करें। जब वाक्य निर्माण की प्रक्रिया पूरी हो जाए तो विद्यार्थी अपने स्थान पर खड़े होकर अपने वाक्यों को पढ़ें। त्रुटि होने पर शिक्षक उसी समय उसका समाधान करे। जब सभी विद्यार्थी अपना उत्तर दे चुके हों तो शिक्षक उनके लिखित कार्य का मूल्यांकन करें। अनेक बार यह रहता है कि विद्यार्थी वाक्यों का उच्चारण शुद्ध करते हैं लेकिन लिखने में अनेक प्रकार की मात्रिक और वाक्य निर्माण संबंधी त्रुटियाँ कर देते हैं। अतः उनका समाधान भी शिक्षक द्वारा किया जाए।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 603, 610

कहानी को ध्यान से पढ़े और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। इस गतिविधि के माध्यम से एक लघु कथा दी गई है। लघु कथा एक बच्चे के घरेलु पशु टाइगर के संदर्भ में है। वह एक कुत्ता है जिसका नाम टाइगर है। इस पशु को हमेशा बांधकर रखा जाता है। इससे वह बहुत गुस्से में रहता है। एक दिन जैसे ही उसे खोला जाता है वह एक बच्चे को काट लेता है। जब पशुओं को बांधा जाता है तो वे हिंसक हो जाते हैं। इस संदर्भ में शिक्षक बच्चों को अवश्य बताएं। कहानी के अनेक उद्देश्य होते हैं। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चो को इस बारे में बताया जाए। पशु–पक्षी भी प्यार के भूखे होते हैं। वह परतंत्र नही रहना चाहते। वे स्वतंत्रता चाहते हैं यदि हम उन्हें अपने घर में रखना चाहते है। तो उन्हें बंधक बनाकर न रखा जाए। शिक्षक द्वारा दो–तीन विद्यार्थियों से कहानी का वाचन करवाकर इन विषयों पर चर्चा अवश्य कर ली जाए। गतिविधि करवाने के लिए विद्यार्थियों को कहानी और उससे संबंधित प्रश्नों की छायाप्रति उपलब्ध करवाई जाए। थोड़ी सी कुलदीप और उसके कुत्ते टाइगर के संदर्भ में चर्चा हो। विद्यार्थी अपने विवेक अनुसार प्रश्नों के उत्तर दें। शिक्षक चार पांच विद्यार्थियों से उत्तर सभी के सामने पढ़ने को कहें। अंत में शिक्षक द्वारा सभी विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्य की जांच की जाए।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 608, 613

शब्द के वाक्य में प्रयोग के माध्यम से वचन की पहचान। इस गतिविधि के बाद विद्यार्थियों के लिए वचन की पहचान बहुत आसान होगी। यद्यपि विद्यार्थियों को यह भ्रम रहता है कि वे बहुत आसानी से एकवचन और बहुवचन की पहचान कर सकते है। अनेक प्रकार के ऐसे शब्द जो अपने आप में एकवचन और बहुवचन के रूप में समान प्रयोग होते हैं या सदा एक वचन, सदा बहुवचन रहते है। ऐसे शब्दों की पहचान विद्यार्थी नहीं कर पाते। इस गतिविधि के अंतर्गत वचन की परिभाषा, विभिन्न शब्दों का विशेष प्रयोग आदि पर शिक्षक विस्तार से बात करे। सभी रिक्त स्थान श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं। उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे जाएं। विद्यार्थी उनमें से उचित उत्तर पहचानकर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखे। तीन–चार विद्यार्थी अपने उत्तर कक्षा के समक्ष पढ़ें। अंततः शिक्षक सही उत्तर बताकर कक्षा कार्य का मूल्यांकन करें।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 610, 615

शब्दों को ध्यान से पढ़िए, समझिए और पुनः लिखिए। इस गतिविधि के अंतर्गत उन शब्दों को शामिल किया गया है जिनके उच्चारण में तथा लेखन में विद्यार्थियों को विशेष रूप से कठिनाई आती है। ये सभी शब्द शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखें। सभी विद्यार्थियों को अपनी उत्तरपुस्तिका में शब्द लिखने के लिए कहा जाए। क्रमगत रूप से सभी विद्यार्थी खड़े होकर सारे शब्दों का उच्चारण करें। जहां कही उच्चारण में त्रुटि रहती है, शिक्षक आदर्श उच्चारण कर उन्हें सही उच्चारण के लिए प्रेरित करें। इसके बाद विद्यार्थी पुनः अपनी उत्तरपुस्तिका में इन शब्दों को लिखे। शिक्षक लिखित कार्य की जांच करे।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 614, 615

उचित शब्द चुनते हुए रिक्त स्थान भरिए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को क्रिया संदर्भ में जानकारी दी जाएगी। अतः शिक्षक क्रिया की परिभाषा, उसके प्रयोग आदि के विषय में विद्यार्थियों को अवश्य बता दें। सभी प्रश्न श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँ। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में इन्हें लिख लें। एक दो विद्यार्थी खड़े होकर सभी रिक्त स्थानों को पढ़ दें। विद्यार्थी अपने विवेकानुसार उत्तरपुस्तिका में अपने उत्तर लिखें। आपस में उत्तरपुस्तिकाएँ परिवर्तित करें। शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे। इसी आधार पर उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन हो। जिन विद्यार्थियों के कार्य में त्रुटि पाई गई है उस पर सामूहिक चर्चा हो। शिक्षक शंकाओं का समाधान करे।

कक्षा–7

पाठ 1

हम पंछी उन्मुक्त गगन के (कविता)

उद्देश्य

- विद्यार्थी कविता को हाव–भाव, लय–ताल, उतार–चढ़ाव के साथ प्रस्तुत कर पाएँगे।
- कविता की व्याख्या कर पाएँगे।
- कविता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- कविता की विशेषताओं, कविता के सामान्य तत्वों का परिचय प्राप्त कर पाएँगे।

गतिविधियाँ–

- तुकांत शब्द निर्माण
- सही वर्ण चुनते हुए सार्थक शब्द बनाना।
- काव्य पंक्तियों का भाव समझते हुए उचित मिलान करना।
- चित्र देखकर वाक्य पूरा करना।
- संकेतों के माध्यम से कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करना।
- हाव–भाव के साथ वाक्य पढ़कर सहपाठी को सुनाना।
- शब्दों को सार्थक क्रम में जोड़ते हुए वाक्य बनाना।
- वर्ग पहेली।
- सही अर्थ को चुनना।
- संकेत के आधार पर समास का विग्रह करना।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 707, 712

लय कविता का आत्म तत्त्व है। लय के माध्यम से पाठ्यवस्तु रोचक और आनंददायक बनती है। कविता पढ़ाते समय लयात्मक तरीके से पढ़ाना भाषा के सौंदर्य में वृद्धि करता है। तुकांत शब्द लय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतः पहली गतिविधि तुकांत शब्द निर्माण रखी गई है। यह गतिविधि बच्चों के लिए आनंददायक है तथा उनका शब्द निर्माण के प्रति आकर्षण बढ़ाती है। विद्यार्थियों को शब्दों के साथ खेलना सिखाती है। तुकांत शब्द निर्माण का अभ्यास कराएँ।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 714, 715

सही वर्ण का चुनाव विद्यार्थियों को वर्णमाला के वर्णों की सही पहचान तथा उनका उचित उच्चारण सिखाता है। वर्णमाला का सूक्ष्म ज्ञान होने पर विद्यार्थी अनेक व्याकरणिक त्रुटियों से सहज ही मुक्त हो जाते हैं। वर्णों की उचित बनावट का ज्ञान न होना तथा संयुक्त वर्ण (क्ष, त्र, ज्ञ आदि) की पहचान नहीं होना विद्यार्थियों को भाषिक त्रुटियाँ करने पर मजबूर करता है। अतः इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को सही वर्ण का चुनाव करते हुए शब्दों का उचित प्रयोग करना सिखाएँ।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 707, 712

भाव और भाषा के सहयोग से कविता बनती है। विद्यार्थी इन दोनों को अलग–अलग समझ ले तो वह स्वयं भी कविता करने में सक्षम हो सकते हैं। अतः भाव साम्यता के आधार पर एक काव्य पंक्ति को दूसरी काव्य पंक्ति के साथ जोड़ते हैं तो कविता के संपूर्ण भाव बोध को प्राप्त करने में सफल होते हैं। यहाँ संपूर्ण और अंश विधि का रोचक खेल है। हम विद्यार्थियों को पहले कविता के संपूर्ण भाव से परिचित करवाएँ तथा एक–एक पंक्ति के अलग–अलग भाव से परिचित करवाएँ।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 706, 711

चित्र बच्चों को आकर्षित करते हैं। जितने अधिक रंगीन चित्र होते हैं उतना ही विद्यार्थियों का उनके प्रति आकर्षण बढता चला जाता है। अमूर्त शब्दों, भावों को चित्रों के माध्यम से व्यक्त करने पर विषय को आसान तरीके से बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। जैसे– आचार्य रामचंद्र शुक्ल अमूर्त भाव को मूर्त रूप में प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि वैर, क्रोध का अचार या मुरब्बा है। जब हमें क्रोध आता है, हम उसे दबा लेते हैं। अनुकूल समय आने पर भविष्य में अपने क्रोध को प्रकट करते हैं। एक प्रकार से हम क्रोध का अचार या मुरब्बा डाल देते हैं। जैसे आम को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसका अचार या मुरब्बा बना दिया जाता है। इसी प्रकार वस्तुओं को आसानी से समझाने के लिए हम शब्दों या भावनाओं को चित्रों के माध्यम से प्रकट करते है। यह प्रस्तुतीकरण विषय वस्तु को आसान, आकर्षक और प्रभावी बना देता है। चित्रों के माध्यम से समझाई गई बात विद्यार्थियों की स्मृति में स्थाई रूप से अंकित हो जाती है। कविता से संबंधित प्रभाव को स्थाई करने के लिए इस गतिविधि को रखा गया है। इसमें विद्यार्थी चित्र देखकर वाक्य पूरा करेंगे। इस प्रकार कविता की पंक्तियाँ मूर्त्त रूप में उनके मस्तिष्क में स्थाई रूप से अंकित होंगी। अतः चित्र देखकर विचार प्रकट करने का अवसर दें।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 703, 707

संकेतों के माध्यम से कविता की पंक्तियों को पूरा करने के लिए एक बहुत ही प्रचलित कविता को रखा गया है। इसके माध्यम से अधिगम में पिछड़े हुए विद्यार्थी आत्मविश्वास से लबरेज होंगे। परिचित कविता को पूर्ण करने का अभ्यास करवाएँ।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 705, 707

भाषा का प्रयोग करते समय शारीरिक अंगों का संचालन उसी अनुरूप किया जाना बहुत ही आवश्यक है। विभिन्न प्रकार के विराम चिन्हों का ज्ञान, उसी अनुरूप भाषा का प्रयोग विद्यार्थियों के भाषिक सामर्थ्य को महत्वपूर्ण बनाता है। हाव–भाव से वाक्य पढ़कर सहपाठियों को सुनाने से, पढ़ने वाले का पठन–कौशल विकसित होता है। अतः सहपाठियों के साथ अभ्यास का अवसर दें।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 709, 715

प्रभावशाली भाषा प्रयोग के विकास के लिए श्रेष्ठ वाक्य निर्माण कला विद्यार्थी में होनी चाहिए। इसके लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता है। अनेक स्थितियों में देखा जाता है कि विद्यार्थी वाक्य प्रयोग करते समय शब्दों का क्रम ठीक नहीं रख पाते। जैसे –खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ। वाक्य निर्माण प्रक्रिया की अधूरी जानकारी, व्याकरण के नियमों का ज्ञान न होना, अभ्यास की कमी आदि अनेक ऐसे कारण है। जिनके कारण विद्यार्थी इस प्रकार की त्रुटि करते हैं। वाक्य निर्माण का यदि निरन्तर अभ्यास किया जाए तो इस प्रकार की सामान्य त्रुटियों से विद्यार्थियों को सहज बचाया जा सकता है। शब्दों को सार्थक क्रम में जोड़ते हुए विद्यार्थी वाक्य बनाने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार के अभ्यास को नियमित रूप से किए जाने के लिए शिक्षक विद्यार्थियों को प्रेरित करें।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 714, 715

वर्ग पहेली खेल–खेल में शिक्षण का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। वर्ग पहेली अनेक नवीन उद्भावनाओं का माध्यम बनती है। वर्ग पहेली से विद्यार्थी शब्दों का निर्माण करेंगे। संज्ञा शब्द चुनेंगे। यह गतिविधि भाषा के साथ व्याकरण करवाने में सहयोगी सिद्ध होगी। शिक्षक कठिनाई आने पर बच्चो की सहायता करें।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 701, 705

शब्द अपने अर्थ के साथ कविता बनाता है। शब्दों के साथ–साथ विद्यार्थियों के लिए उनके अर्थ को जानना भी आवश्यक है। शब्द के वैकल्पिक रूप से अर्थ चुनना उनके लिए आसान भी है और चुनौतीपूर्ण भी। अतः वे सही अर्थ की पहचान तभी कर पाएँगे जब उन्हें शब्द के बारे में उचित जानकारी होगी। इस गतिविधि द्वारा उनके मन में शब्द के अर्थ जानने की जिज्ञासा भी पैदा होगी। शिक्षक इसी प्रकार अन्य शब्दों का प्रयोग करना सिखाएँ।

गतिविधि - 10 दक्षता कोड - 714

भाषा की सामासिकता, भाषा की एक प्रमुख विशेषता है। समास का अर्थ होता है–संक्षेपण। आज के व्यस्त समय में संक्षेप में अपनी बात करने की कला से विद्यार्थियों का परिचय होना बहुत आवश्यक है। अतः उन्हें समास और उनके विग्रह की जानकारी होनी चाहिए। इसी क्रम में समास, विग्रह गतिविधि को रखा गया है। अन्य अनेकानेक शब्दों के द्वारा समास का अभ्यास करवाएँ। उपरोक्त गतिविधियाँ सरस, सरल, रोचक तरीके से कविता को समझने में सहायक सिद्ध होंगी। इसके अतिरिक्त भी शिक्षक विद्यार्थियों के स्तर अनुसार, आवश्यकता अनुरूप विवेक से गतिविधियों का प्रयोग कर सकते हैं।

पाठ 2 दादी माँ

उद्देश्य

- विद्यार्थियों की विभिन्न स्थानीय, सामाजिक एवं प्राकृतिक घटनओं के प्रति समझ विकसित करना।
- लोक कथाओं एवं लोकगीतों के प्रति आकर्षण पैदा करना।
- विशेष रूप से कहानी आदि को उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ना।
- अनुभव का विश्लेषण का अर्थ उन्हें लिखित रूप में व्यक्त करने का सामर्थ्य विकसित करना।
- भाषा के साथ व्याकरण की समझ का विकास

गतिविधियाँ–

- पढ़िए, सोचिए और लिखिए।
- चित्र देखकर 30 से 50 शब्दों में अपनी कल्पना के आधार पर वर्णन करना।
- गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना।
- सही मिलान करना।
- समानता दिखाने वाले शब्दों का वाक्य में प्रयोग करना।
- मिलाकर सार्थक वाक्य बनाना।
- परिवार के वृद्धजनों दादा–दादी, नाना–नानी आदि के बारे में पाँच वाक्य लिखना।
- कठिन शब्दों का उच्चारण कर उन्हें शुद्ध रूप में लिखना।
- शब्द के सही अर्थ का चुनाव करना।
- संधि करना।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 707, 713

दादी माँ कहानी पारिवारिक संबंधो को सूक्ष्मता के साथ व्यक्त करने वाली आनंददायक कहानी है। पहली गतिविधि में पढ़ना है, सोचना है और उसके बाद लिखना है। इस गतिविधि के माध्यम से हम बच्चों को पारिवारिक संबंधों के बारे में, लिंग, वचन के बारे में, वाक्य के तत्वों के बारे में बता सकते हैं। जैसे– पहला वाक्य है नानी ने कहानी सुनाई। इसके समानांतर हम वाक्य बना रहे हैं– नाना ने कहानी सुनाई। दूसरा वाक्य पिताजी का कहना माना। इसके साथ दूसरा वाक्य जब विद्यार्थी लिखेगा तो वह होगा–माताजी का कहना मानो।

इस प्रकार लिंग, वचन कारक, अव्यय शब्द आदि पर चर्चा कर हम खेल–खेल में बच्चों को व्याकरण की जानकारी दें। उन्हें पारिवारिक संबंधों के बारे में जानने का अवसर दें। शिक्षक श्यामपट्ट पर सभी वाक्य लिख ले। एक विद्यार्थी खड़ा होकर वाक्यों का उच्चारण करे। तत्पश्चात् शिक्षक के द्वारा विश्लेषण किया जाए।

विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका मे सही वाक्य लिखें। 2–3 विद्यार्थी खड़े होकर अपने उत्तरों का उच्चारण करें। अतः शिक्षक सही उत्तरों की घोषणा करें। सभी विद्यार्थी सही उत्तरों का मिलान करें।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 710, 711

चित्र देखकर वर्णन करना बच्चों में एक लोकप्रिय गतिविधि है। इस गतिविधि को करवाते समय शिक्षक कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखे। एक मेले का चित्र दिया गया है जिसका वर्णन बच्चे करेंगे चित्र साफ एवं बहुरंगी हो। वर्णन करने उपरान्त यदि संभव हो तो विद्यार्थियों के उत्तरों का मिलान करवाएँ।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 708, 711

भाषिक समझ विकसित करने में गद्यांश पढ़कर समझना गतिविधि एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। गतिविधि को कक्षा में अच्छे ढंग से करवाने के लिए सभी विद्यार्थियों को गद्यांश तथा उसके प्रश्नों की छायाप्रति उपलब्ध करवा दी जाए। सभी विद्यार्थी दो–तीन बार गद्यांश को पढ़ें। तत्पश्चात प्रश्नों को पढ़ें। प्रश्न पढ़ने के उपरांत संभावित उत्तर पर निशान लगा लें। इसके बाद प्रश्नों के उत्तर लिखें। शिक्षक द्वारा प्रश्न उत्तर की जाँच की जाए।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 706, 711

सही मिलान कीजिए। इस गतिविधि को कराने से पूर्व शिक्षक विद्यार्थियों को हिंदी कैलेण्डर के अनुसार महीनों की जानकारी दें। आजकल अधिकाधिक विद्यार्थी केवल अंग्रेजी कैलेण्डर के मास जानते हैं। यह जानकारी दिए जाने के बाद एक बार वाचिक रूप से ऋतुओं के संदर्भ में बच्चों को बता दिया जाए। तत्पश्चात् श्यामपट्ट पर मास और ऋतु लिख दी जाए। सभी बच्चे अपनी उत्तर पुस्तिका में सही मिलान करें। सभी एक दूसरे के साथ अपनी उत्तर पुस्तिकाओं में सही मिलान की जाँच करें। सभी एक दूसरे के साथ अपनी उत्तर पुस्तिका को परिवर्तित कर लें। शिक्षक श्यामपट्ट पर सही मिलान कर दे। उसी के आधार पर विद्यार्थी उत्तर पुस्तिकाओं में सही मिलान की जाँच करे। शिक्षक परिणाम की घोषणा करें।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 709, 715

समानता दिखाने वाले शब्दों का वाक्य में प्रयोग विद्यार्थियों को सिखाने के लिए सबसे पहले सभी रिक्त स्थान श्यामपट्ट पर लिख लिए जाएँ। एक विद्यार्थी खड़ा होकर इन सभी रिक्त स्थानों का उच्चारण करे। तीन चार विद्यार्थी बिना उत्तर बताए अपने विवेक से रिक्त स्थान भरकर बताएँ। तत्पश्चात् शिक्षक उत्तर भी श्यामपट्ट पर लिखे। सा/से/सी में से कौन सा वर्ण किस वाक्य में आ सकता है। सभी विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में अपने विवेक से उचित उत्तर लिखें। एक दूसरे विद्यार्थी के साथ अपनी उत्तर पुस्तिका परिवर्तित करें। शिक्षक द्वारा सही उत्तर घोषित किए जाएँ। जिस विद्यार्थी के पास उत्तर पुस्तिका है, वह उसकी जाँच कर परिणाम घोषित कर दे।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 710, 715

मिलाकर सार्थक वाक्य बनाइए, गतिविधि एक रोचक एवं महत्वपूर्ण गतिविधि है। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को गतिविधि की छायाप्रति उपलब्ध करवाई जाए। यह गतिविधि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योकि यह विभक्ति चिह्न को सिखाती है। विभक्ति चिह्न का अनुचित प्रयोग वाक्य के अर्थ को परिवर्तित कर देता है। शिक्षक उदाहरण दे सकता है। जैसे–तीन शब्द हैं, राम/रावण/मारा। इन शब्दों को इस क्रम मे हम दो बार लिखते हैं –

राम... रावण.... मारा।
राम....रावण .....मारा।

ने/को
को/ने

राम ने रावण को मारा।
राम को रावण ने मारा।

इन वाक्यों के मध्यम विभक्ति का प्रयोग करते हुए हम देखते हैं कि केवल विभक्ति परिवर्तित करने से वाक्य का अर्थ नितांत विपरीत हो जाता है। विभक्ति का प्रयोग करते समय हमें बहुत ही सावधान रहना चाहिए। सचेत रहकर इसका ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी दो वाक्यांशों के बीच विभक्ति का प्रयोग करते हुए वाक्य निर्माण करना सीखेंगे। इस प्रकार की चर्चा कक्षा में किए जाने के उपरांत शिक्षक विद्यार्थियों को विवेक अनुसार अपने वाक्य बनाने के लिए प्रेरित करे। उत्तर पुस्तिका में लिखे जाने के पश्चात् सही उत्तर शिक्षक द्वारा घोषित किए जाएँ। विद्यार्थी अपने उत्तरों से उनका मिलान करे। शिक्षक पाँच विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिका जाँच लें कि उन्होंने ठीक कार्य किया है।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 708, 713

दादा/दादी, नाना/नानी के विषय में पाँच बातें लिखने से पूर्व शिक्षक विद्यार्थियों को थोड़ा सा इस संदर्भ में निर्देश दे। बुजुर्गों के शारीरिक सौंदर्य/कार्यप्रणाली/व्यवहार का वर्णन कर सकते हैं। उनके द्वारा बताई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। जीवन के ऐसे क्षण के बारे में लिख सकते हैं, जो उन्हें हमेशा याद रहता है। कोई ऐसी सीख जो उन्होंने अपनी बात से, आचरण से, व्यवहार से उन्हें दी हो, उसके बारे में बता सकते हैं। इस प्रकार निर्देश दिए जाने के पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों से पाँच वाक्य लिखने के लिए कहे। प्रत्येक विद्यार्थी कक्षा में अपने वाक्यों का वाचन करे। शिक्षक ध्यान दें कि यदि उनके वाक्य निर्माण में कोई त्रुटि है तो उसे श्यामपट्ट पर ठीक वाक्य लिखकर सुधारा जाए। सभी विद्यार्थियों को उस त्रुटि के संदर्भ में जानकारी दी जाए। इससे यह प्रक्रिया सभी के लिए आनंददायक सिद्ध होगी। विद्यार्थियों को यह भी छूट रहे कि वह अपने साथियों की बात सुनकर कुछ नए वाक्य लिखना चाहते हैं तो शिक्षक उन्हें अवसर दे।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 711, 715

दिए गए शब्दों को पढ़िए और लिखिए। इस गतिविधि के माध्यम से हमें विद्यार्थियों को कुछ जटिल शब्दों के उच्चारण ठीक करने हैं। शब्दों को शुद्ध रूप में लिखने के लिए प्रेरित करना है। प्रायः विद्यार्थी संयुक्त वर्ण लेखन और उच्चारण करते समय असावधानी या अज्ञानतावश त्रुटियाँ करते हैं। अतः शिक्षक इस गतिविधि को करवाने से पूर्व विद्यार्थियों को श के उच्चारण, प्र के प्रयोग, त्र के प्रयोग के संदर्भ में निर्देश दे। जिससे वे अपना उच्चारण और लेखन शुद्ध कर सकें। श्यामपट्ट पर सभी शब्द लिखे जाएँ। विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में उन्हें लिखें। शिक्षक सभी शब्दों का आदर्श वाचन करके विद्यार्थियों को बताएँ ताकि वह अपने उच्चारण ठीक कर सकें।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 715, 716

दिए गए शब्द के लिए सही अर्थ वाले शब्द का चुनाव कीजिए। इस गतिविधि को करवाने के लिए तीनों शब्द तथा उनके तीन संभावित अर्थ श्यामपट्ट पर लिख लिए जाएँ। दो विद्यार्थियों द्वारा सभी का उच्चारण किया जाए। तत्पश्चात् शिक्षक सभी विद्यार्थियों से अपनी उत्तरपुस्तिका में सही अर्थ लिखने के लिए कहे। उत्तर पुस्तिकाएँ विद्यार्थी एक दूसरे से परिवर्तित कर लें। शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिख दे। विद्यार्थी द्वारा लिखे गए उत्तर के साथ उसका मिलान कर लिया जाए। इस प्रकार परिणाम घोषित हो।

गतिविधि - 10 दक्षता कोड - 714, 715

संधि कीजिए। इस गतिविधि को करवाने से पहले शिक्षक ये सुनिष्चित करें कि विद्यार्थियों को व्याकरण के अंतर्गत संधि उपविषय पढ़ा दिया गया है। उन्हें संधि के विभिन्न नियमों का ज्ञान है। यह सुनिश्चित किए जाने के पश्चात् तीनों संधि विच्छेद श्यामपट्ट पर लिखे जाएँ। शिक्षक उनका उच्चारण करें। विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में ठीक उत्तर लिखें। इसके बाद उत्तर पुस्तिका दूसरे विद्यार्थी के साथ बदल ली जाए। शिक्षक स्वयं श्यामपट्ट पर सही उत्तर लिखे। विद्यार्थी उसी अनुसार उत्तरों की जाँच कर परिणाम घोषित कर दें।

उपरोक्त गतिविधियाँ सरस, सरल, रोचक तरीके से कविता को समझने में सहायक सिद्ध होंगी। इसके अतिरिक्त भी शिक्षक विद्यार्थियों के स्तर अनुसार, आवश्यकता अनुरूप विवेक से गतिविधियों का प्रयोग कर सकते हैं।

पाठ 3 हिमालय की बेटियाँ (निबंध)

उद्देश्य

- विधा को पढ़कर उसे समझने तथा उस पर चर्चा करने में सक्षम बनाना।
- निबंध विधा का परिचय प्राप्त करना।
- स्वयं किसी विषय पर सक्षमता के साथ निबंध लिखने का सामर्थ्य विकसित करना।
- विधा को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे।
- विद्यार्थी समरूपी विभिन्नार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम, वाक्यांश के लिए एक शब्द, समानार्थी शब्द, युग्म शब्द पुनरुक्त शब्द योजक शब्द आदि के बारे मे जान सकेंगे तथा उनका प्रयोग कर सकेंगे।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 714, 715

निबंध विधा बहुत ही महत्त्वपूर्ण विधा है। इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने आप को व्यक्त कर पाते हैं। निबंध में शब्दों का बहुत महत्त्व है। शब्द के अर्थ को समझना, शब्द के भाव को समझना, शब्द के माध्यम से अपने विचार को व्यक्त करता, शीर्षक से विस्तार को कहीं भी अलग नहीं होने देना। यह विशेषताएँ निबंध लिखते समय ध्यान रखने योग्य हैं। इसके लिए बहुत आवश्यक है। कि विद्यार्थी शब्दों का प्रयोग श्रेष्ठ तरीके से करना जानता हो। पहली गतिविधि के अंतर्गत शिक्षक उन्हें पुनरुक्त शब्द और युग्म शब्द के संदर्भ में बताएगा। तत्पश्चात् शिक्षक सभी शब्द श्यामपट्ट पर लिखेंगे। एक तरफ पुनरुक्त शब्द और दूसरी ओर युग्म शब्द के वर्ग बनाएंगे। एक विद्यार्थी खड़ा होकर सभी शब्दों का वाचन करेगा। इसके शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन किया जाएगा। अब शिक्षक सभी विद्यार्थियों को शब्द अलग–अलग लिखने के लिए कहेंगे। इसके पश्चात् दो तीन विद्यार्थी खड़े होकर अपने उत्तर कक्षा के समझ प्रस्तुत करेंगे। अंततः शिक्षक सही उत्तर सभी को बताएंगे। तत्पश्चात् विद्यार्थी उसी अनुरूप अपने उत्तरों की जाँच करेंगे।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 711, 715

इस गतिविधि के अंतर्गत हमें विद्यार्थियों को विपरीतार्थक शब्दों के विषय में सिखाना है। सभी वाक्य शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे। तत्पश्चात् जो रेखांकित शब्द हैं उनका वाचन किया जाएगा। रेखांकित शब्दों के विपरीत शब्द लिख लिए जाएंगे। उन विपरीत शब्दों को जिन्हें विद्यार्थियों ने स्वयं अपने विवेक से अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखा है, प्रयोग करते हुए विद्यार्थी पुनः वाक्य का निर्माण करेंगे। इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी उत्तरपुस्तिकाएँ एक दूसरे को देने के लिए कहेंगे। शिक्षक स्वयं सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखेंगे। विद्यार्थी श्यामपट्ट पर लिखे गए उत्तरों के आधार पर उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। अंततः गतिविधि का परिणाम घोषित किया जाएगा। इस प्रकार यह गतिविधि संपन्न होगी।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 714, 715

विशेषण/विशेष्य के बारे मे जानकारी प्राप्त करना। इस गतिविधि के माध्यम से हम विद्यार्थियों के विशेषण विशेष्य संबंधी ज्ञान को स्थाई करेंगे। अतः शिक्षक प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखेंगे। विद्यार्थियों को अपनी उत्तरपुस्तिका में रिक्त स्थान की पूर्ति करने के लिए कहेंगे। रिक्त स्थान भरते समय वे कुछ स्थानों पर विशेषण भरेंगे तथा कुछ स्थानों पर विशेष्य भरेंगे। यह कार्य करने के उपरांत विद्यार्थी विशेषण/विशेष्य अलग–अलग लिखेंगे। गतिविधि के श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने के लिए शिक्षक एक बार मौखिक रूप से विशेषण और विशेष्य की परिभाषाएं भी कक्षा को बता दें। अतः शिक्षक स्वयं सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखेंगे। उनका उच्चारण करेंगे तथा विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे।

प्रत्यय की पहचान हेतु– समझदार/छोड़कर/सोचना शब्द श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँ। शिक्षक एक बार प्रत्यय की परिभाषा घोषित कर दे। तत्पश्चात् विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों से प्रत्यय की पहचान करें। पाँच विद्यार्थी लिखे गए उत्तर कक्षा के समक्ष पढ़ें। शिक्षक सही उत्तर घोषित करें। सभी विद्यार्थी उसके आधार पर अपने उत्तरों का मिलान करे। पाँच–पाँच के ग्रुप बना लिए जाएँ। प्रत्येक ग्रुप को पत्रिका या अखबार से एक चित्र दे दिया जाए। यदि एक ही प्रकार के चित्र संभव हों तो सभी को उपलब्ध करवा दिए जाएँ। यद्यपि इस गतिविधि को करवाने में यदि अलग–अलग प्रकार के चित्र मौजूद हैं तो उससे बच्चों को अपनी कल्पना शक्ति विकसित करने में अधिक सहायता प्राप्त होगी। शिक्षक स्वयं एक बार गतिविधि के संदर्भ में थोड़ा सा बता दे। पहले बताया जाए कि चित्र में जो चीजें हैं, उनका सीधे वर्णन किया प्रकार किया जा सकता है। तत्पश्चात् उससे जुड़ी हुई बातों के माध्यम से कल्पना शक्ति से उस चित्र को किस प्रकार विस्तार दिया जा सकता है। सभी विद्यार्थी जब अपना कार्य पूरा कर लें। उसके बाद प्रत्येक ग्रुप से एक विद्यार्थी खड़ा होकर अपने वाक्य पढ़े। शिक्षक यदि वाक्यों में कुछ व्याकरणिक त्रुटियाँ हैं तो उनकी तरफ भी विद्यार्थियों का साथ ही साथ ध्यान दिलवा दें।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 709, 714

वर्णो का स्थान बदलते हुए नया शब्द बनाइए। यह बहुत ही रोचक और आनंद दायक गतिविधि है इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी वर्णों के साथ खेलना सीखते हैं। नए–नए प्रयोग उन्हें आनंद देते हैं इससे उनकी कल्पना शक्ति का विकास होता है। प्रारंभ में केवल दो ही वर्ण रखे गए हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के रुचि और सामर्थ्य के अनुसार वर्णों की संख्या को बढ़ा सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को नए शब्द बनाने में अधिक सुविधा होगी। शिक्षक सभी शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे। एक उदाहरण के माध्यम से जैसे –नदी/दीन विद्यार्थियों को समझाएंगे। तत्पश्चात् विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में उत्तर लिखेंगे। उनका उच्चारण करेंगे। विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 709, 715

शब्दों को सही क्रम में लगाते हुए सार्थक वाक्य बनाइए। इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को शुद्ध वाक्य निर्माण के प्रति जागरूक करना है। वाक्य निर्माण करते समय विद्यार्थी अनेक प्रकार की सामान्य भूलें करते हैं गतिविधि के अंतर्गत एक वाक्य के शब्दों का क्रम तोड़ कर रखा गया है। विद्यार्थियों को क्रम सही करते हुए वाक्य निर्माण करना है। शिक्षक सबसे पहले प्रश्न श्यामपट्ट पर परिवर्तित क्रम वाले वाक्यों को लिखेंगे। तत्पश्चात् विद्यार्थियों को क्रम ठीक करते हुए शुद्ध वाक्य बनाने के लिए कहेंगे। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में अपने उत्तर लिख लेंगे। इस कार्य के पश्चात् शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखेगा। श्यामपट्ट पर लिखे गए सही उत्तरों के आधार पर विद्यार्थी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करेंगे। जिन विद्यार्थियों ने गलत वाक्य का निर्माण किया है, उसकी घोषणा करेंगे। शिक्षक उन सब त्रुटियों की पहचान कर शंका का समाधान करेंगे।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 708, 713

दिए गए वाक्यों के लिए प्रश्नों का निर्माण कीजिए। इस गतिविधि के अंतर्गत हम विद्यार्थियों को प्रश्न निर्माण की कला में निपुण बनाना चाहते हैं। प्रश्न शैली अपने आप में बहुत महत्त्वपूर्ण होती है। इसके माध्यम से भी अनेकानेक विषयों के प्रति जिज्ञासा विद्यार्थियों में पैदा की जा सकती है। शिक्षक सभी उत्तर पहले श्यामपट्ट पर लिख देंगे। विद्यार्थियों को इन उत्तरों से संबंधित प्रश्न बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। सभी विद्यार्थी उत्तर के आधार पर प्रश्नों का निर्माण करेंगे। जब वे अपने उत्तर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखे लेंगे और अपनी उत्तरपुस्तिका एक दूसरे से परिवर्तित कर लेंगे। शिक्षक सही प्रश्न श्यामपट्ट लिखेंगे। श्यामपट्ट पर लिखे गए उत्तरों के आधार पर विद्यार्थी की उत्तरपुस्तिकाओं को मूल्यांकन करेंगे। मूल्यांकन के पश्चात् जिन विद्यार्थियों द्वारा त्रुटि की गई है उन विद्यार्थियों की पहचान की जाएगी। त्रुटियों का शंका समाधान शिक्षक द्वारा किया जाएगा।

गतिविधि - 7 व 8 दक्षता कोड - 707, 708

हिमालय से निकलने वाली नदियों के नाम के साथ मिलान कीजिए। इसके लिए बहुत आवश्यक है कि विद्यार्थियां ने पाठ को ध्यान से पढ़ा हो। शिक्षक गतिविधि को करवाने से पहले सुनिश्चित करें कि पाठ विद्यार्थियों द्वारा भली प्रकार से पढ़ लिया गया है। कुछ विद्यार्थी के पूर्व ज्ञान परीक्षा के आधार पर इस बात को सुनिश्चित कर लिया जाए कि विद्यार्थियों ने पाठ पढ़ लिया है। शंका हो तो शिक्षक विद्यार्थियों से पाठ पढ़ने के लिए कहेंगे। तत्पश्चात् नदियों के नाम श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएंगे। विद्यार्थी अपनी उत्तरपुस्तिका में विवेक अनुसार उचित उत्तर लिखेंगे। शिक्षक द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

कक्षा-8

पाठ 1 ध्वनि (कविता)

उद्देश्य

- विभिन्न विधाओं का परिचय प्राप्त करना।
- अपने शब्दों में कविता, कहानी, संस्मरण आदि को व्यक्त कर पाना।
- विधागत तत्वों का आंशिक परिचय प्राप्त करना।
- विधा को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने का सामर्थ्य विकसित करना।

गतिविधियाँ

- तुकांत व पुनरुक्त शब्द छाँटकर अलग–अलग लिखना।
- वर्णों को सही क्रम में रखते हुए सार्थक शब्द बनाना।
- शब्दों को सही क्रम में रखते हुए वाक्य बनाना।
- उचित मिलान करना।
- विशेष्य, विशेषण छाँटकर लिखना।
- चित्र को ध्यान से देखकर उस के संदर्भ में 5 वाक्य लिखना।
- वर्ग पहेली से सर्वनाम शब्द चुनना।
- सही अर्थ को चुनना।
- पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर देना।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 808, 810

इस गतिविधि को करवाने के लिए आवश्यक है कि सभी बच्चों को चित्र की छायाप्रति उपलब्ध करवा दी जाए। शिक्षक तुकांत शब्द की परिभाषा एवं उसके उपयोग बताएँ। सभी विद्यार्थियों को जब अलग–अलग उत्तर लिखने को कहें, एक विद्यार्थी खड़ा होकर एक–एक शब्द का सही उच्चारण करे। जिससे सभी विद्यार्थी अपने उत्तरों की जाँच कर लें।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 814, 815

इस गतिविधि को करवाने से पहले विद्यार्थियों को शब्द की परिभाषा के संदर्भ में बताया जाए। वर्णों के कुछ निरर्थक प्रयोग करके दिखाए जाएँ। तत्पश्चात् सार्थक शब्द की रचना हो। यह गतिविधि विद्यार्थियों के लिए रोचक और आनंददायक है।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 815, 816

शब्दों के सार्थक समूह से वाक्य बनता है। यदि वाक्य निर्माण अभ्यास के अभाव में विद्यार्थी अनेक प्रकार की त्रुटियाँ करते हैं। अतः शिक्षक अलग–अलग प्रकार के प्रयोग दिखाकर उनकी त्रुटियों के संदर्भ में विद्यार्थियों को बताए, जिससे विद्यार्थी उचित वाक्य प्रयोग सीख सकें।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 808, 809

उचित मिलान करें। गतिविधि के अंतर्गत ध्वन्यात्मक शब्दों रखा गया है। मेंढक, कौआ, गधा, कुत्ता जिस प्रकार की ध्वनियाँ निकालते हैं, उसी आधार पर बने शब्दों को पशु–पक्षियों के साथ मिलान करना है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी ध्वन्यात्मक शब्दों के बारे में जान पाएँगे।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 814

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं। जो विशेषता बताता है, उसे विशेषण कहते हैं तथा जिसकी विशेषता बताई जाती है उसे विशेष्य कहते हैं। इस गतिविधि को कराने से पहले विद्यार्थियों को एक बार विशेषण, विशेष्य के बारे में भली प्रकार से बता दिया जाए।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 814, 815

इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी दिए गए शब्दों से मिलते–जुलते शब्द अलग कर लें। सभी अपने–अपने उत्तर लिखकर उत्तरपुस्तिकाएँ एक–दूसरे से बदल लें। अब शिक्षक स्वयं सभी प्रश्नों के उत्तरों की घोषणा करें। विद्यार्थी उनके साथ अपने उत्तर के साथ मिलान करें। जिन विद्यार्थियों की त्रुटियाँ रह गई है उनका शंका समाधान किया जाए। इससे वे अधिक सहजता के साथ इस गतिविधि का आनंद ले पाएंगे।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 814, 815

वर्ग पहेली के माध्यम से हम तथ्यों को रोचकता और सरलता के साथ विद्यार्थियों को सिखा सकते हैं। इस पहेली मे विद्यार्थी सर्वनाम शब्द चुनेंगे। संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं अथवा हम कह सकते है। कि जो शब्द सब प्रकार के नामों में प्रयोग किए जाते है वह सर्वनाम कहलाते हैं गतिविधि को करने के लिए पत्र की छायाप्रति उपलब्ध करवाई जा सकती है। यदि यह संभव नहीं है तो शिक्षक श्यामपट्ट पर इस वर्ग पहेली को बना लें। विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में इसके उत्तर लिख लें। इसके पश्चात् एक दूसरे को जाँच के लिए उत्तर पुस्तिका दे दी जाएँ। स्वयं मूल्यांकन करने के उपरांत एक विद्यार्थी जिसके सभी उत्तर ठीक हों, शिक्षक द्वारा जाँच लिए जाएँ। वह ठीक उत्तरों की घोषणा करें। जिससे विद्यार्थी अपने उत्तर मिला सकें।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 814, 815

शिक्षक श्यामपट्ट पर शब्द और उनके दो अर्थ लिखें। एक उत्तर सही है दूसरा गलत है। विद्यार्थी द्वारा उत्तर पुस्तिका में सही उत्तर लिखे जाने के पश्चात् शिक्षक सही उत्तर घोषित करे। सभी विद्यार्थी अपने उत्तरों की जाँच करें।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 814

इस गतिविधि के माध्यम से हम विद्यार्थियों को तुकांत शब्द, वचन, विराम चिह्नों, तत्सम शब्दों एवं पुनरुक्त शब्दों की जानकारी दे पाएँगे। विद्यार्थियों को सबसे पहले दो बार कविता पढ़ने के लिए कहें। कविता पढ़ने के बाद अपने अनुसार उसका अर्थ करें। इसके पश्चात् भी प्रश्नों को पढ़े तथा उनके उत्तर दें।

पाठ 2 लाख की चूड़ियाँ (कहानी)

उद्देश्य

- गद्य, पद्य की विभिन्न विधाओं जैसे कविता संस्मरण, यात्रा वृतांत विशेष रूप से कहानी के विषय में बता सकें।
- कहानी विधा को अपने शब्दों मे व्यक्त कर सकें।
- विधा की भाव अभिव्यक्ति में सक्षम हो।
- विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया–विशेषण, लिंग, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास के भेदों को समझकर उनका विभिन्न संदर्भों में प्रयोग कर सकें।
- युग्म शब्द, देशज शब्द, समरूपी, भिन्नार्थक, पयार्यवाची, विलोम, वाक्यांश के लिए एक शब्द विकारी और अविकारी शब्द को समझकर संदर्भ के अनुरूप उसका प्रयोग कर सकें।
- विद्यार्थी मुहावरे, विराम चिह्न का अर्थ संदर्भ में समझकर उसका वाक्य प्रयोग करने में सक्षम बनें।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 814

संज्ञा : किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। शिक्षक इन सभी शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखे। विद्यार्थियों को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखने को कहे। तत्पश्चात् सही उत्तरों की घोषणा की जाए जिसका मिलान सभी विद्यार्थी करें।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 805

चित्र को देखकर अपनी कल्पना से इसका वर्णन करना। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को 5–5 विद्यार्थियों के समूह में बाँट दिया जाए। प्रत्येक समूह को अखबार या पत्रिका से निकाला गया एक–एक चित्र दे दिया जाए। पहले पाँच मिनट सभी विद्यार्थी चित्र को ध्यान से देखें। इसके पश्चात् अपनी कल्पना से उसमें कुछ जोड़ने के लिए अगले पाँच मिनट चिंतन करें। यह प्रक्रिया करने के बाद विद्यार्थियों को लेखन के लिए प्रोत्साहित करें। चित्र और कल्पना से संबंधित सामान्य बातें शिक्षक विद्यार्थियों को बताएँ। सभी विद्यार्थी जब अपना उत्तर लिख चुके हों तो पहले प्रत्येक समूह से एक–एक विद्यार्थी अपना उत्तर पढ़कर कक्षा को सुनाए। इस प्रकार सभी विद्यार्थी अपना उत्तर सबके साथ सांझा करे। शिक्षक पूरी प्रक्रिया में विद्यार्थियों के साथ रहे। शिक्षक समय–समय पर अपने सुझाव देता रहे।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 804

उचित मिलान करें। गतिविधि में शिक्षक पूरा प्रश्न श्यामपट्ट पर लिख दें। प्रश्नों का वाचन एक विद्यार्थी द्वारा किया जाए। दूसरे विद्यार्थी द्वारा संभावित उत्तर वाचन हो। सभी विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में उचित मिलान कर अपने उत्तर लिख लें। एक विद्यार्थी से शिक्षक उत्तर बोलने के लिए कहे। यदि सभी उत्तर ठीक हैं तो शिक्षक उनकी पुष्टि करे। यदि उत्तर में त्रुटि है तो शिक्षक उसे ठीक करे। इसी के आधार पर सभी विद्यार्थी अपने उत्तरों की जाँच करें।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 814

उचित भाववाचक संज्ञा चुनें। इसके लिए शिक्षक पूरे प्रश्न को श्यामपट्ट पर लिख दें। सभी विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में पूरा प्रश्न लिखें। अपने–अपने विवेक के अनुसार अपने उत्तरों पर गोला लगाएँ। एक दूसरे के साथ अपनी उत्तर पुस्तिकाएँ बदल लें। तत्पश्चात् शिक्षक श्यामपट्ट पर सही उत्तर पर गोला लगाए। सभी विद्यार्थी अपने पास जो उत्तर पुस्तिका है उसकी जांच करें। परिणाम घोषित करें। परिणाम उत्तर पुस्तिका पर लिखकर संबंधित विद्यार्थी को उसकी उत्तर पुस्तिका लौटा दी जाए।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 815

पुनरुक्त शब्द पहचान कर लिखें। शिक्षक पूरा प्रश्न श्यामपट्ट पर लिख दे। विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में पुनरुक्त शब्द लिखें। शिक्षक पुनरुक्त शब्द श्यामपट्ट पर लिख दे। विद्यार्थी उसी अनुरूप अपने उत्तरों की जाँच कर ले।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 812

इस गतिविधि को करवाने के लिए शिक्षक सभी गद्यांश और उसके प्रश्न उत्तर की छायाप्रति करवा ले। सभी विद्यार्थियों को एक–एक प्रति दे दी जाए। विद्यार्थी पहले दो बार गद्यांश को ध्यान से पढ़ें। संभावित उत्तर पर निशान लगाएँ। वाक्य के गठन का ध्यान रखते हुए शुद्ध भाषा में अपने उत्तर लिख दें। शिक्षक द्वारा सभी प्रश्न उत्तर की जाँच की जाए।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 814

समास की पहचान से पूर्व एक बार बच्चों को समास की परिभाषा बता दी जाए। समास का अर्थ होता है–संक्षेपण। जब दो शब्द पास–पास आते हैं, उनके बीच में विभक्ति का लोप होता है तो वह प्रक्रिया समास कहलाती है। समास के चार प्रकार होते हैं – अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वंद और बहुव्रीहि। इसी आधार पर बच्चों को समास की पहचान करनी है। विद्यार्थी प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर समास की पहचान कर अपना उत्तर उत्तर–पुस्तिका में लिखें। एक विद्यार्थी अपने उत्तरों का वाचन करे। शिक्षक सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिख दें। सभी विद्यार्थी अपने उत्तरों का मिलान कर लें।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 805

रिक्त स्थान भरकर वाक्य बनाना–यह एक आसान प्रक्रिया है। इसके माध्यम से विद्यार्थी वाक्य की संरचना को सहजता से समझ पाते हैं। शिक्षक सभी प्रश्न श्यामपट्ट पर लिख दें। तत्पश्चात् उत्तर लिखे जाएँ। प्रश्नों का वाचन हो। संभावित उत्तरों का वाचन हो। विद्यार्थी अपने विवेक से उत्तर–पुस्तिका में उत्तर लिख लें। पाँचों रिक्त स्थान भर लिए जाने के पश्चात् शिक्षक सही उत्तर बताए। जिसके आधार पर विद्यार्थी अपने उत्तर का मिलान करे।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 815

दिए गए शब्द से सही अर्थ चुनना। इस गतिविधि में तीन प्रश्न दिए गए है। इनके तीन–तीन संभावित उत्तर दिए गए हैं। प्रश्न और उत्तर का कक्षा में वाचन हो। इन्हें श्यामपट्ट पर लिखा जाए। विद्यार्थी अपने विवेक से पहचान कर उत्तर पुस्तिका में सही उत्तर लिखें। तीन विद्यार्थियों से शिक्षक उनके द्वारा लिखे गए उत्तर को बताने के लिए कहे। अंततः शिक्षक स्वयं सही उत्तर कक्षा के सामने प्रस्तुत करें। विद्यार्थी लिखे गए उत्तरों की जाँच करें।

गतिविधि - 10 दक्षता कोड - 814

इस पाठ की अंतिम गतिविधि है–उपसर्ग पहचान कर अलग करना। वह शब्दांश जो किसी शब्द के आगे जुड़कर नए शब्द का निर्माण करते हैं तथा उसके अर्थ में परिवर्तन करते हैं उसे उपसर्ग कहते हैं परिभाषा बताई जाए। इसके पश्चात् विद्यार्थी इसके आधार पर उत्तरों की पहचान करें। विवेक के आधार पर अपनी उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। शिक्षक सही उत्तरों की कक्षा में घोषणा करें।

पाठ 3 बस की यात्रा (व्यंग्य)

उद्देश्य

- विद्यार्थियों की विभिन्न स्थानीय, सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति तार्किक प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाना।
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं विशेष रूप से व्यंग्य विधा का ज्ञान प्रदान करना।
- विधाओं के पठन, पहचान और अभिव्यक्ति योग्य बनाना।
- भाषा के साथ व्याकरण की समझ का विकास।
- विद्यार्थी मुहावरे, विराम चिह्न आदि की पहचान कर सके और स्वयं उनका प्रयोग करने में समर्थ बने।

गतिविधि - 1 दक्षता कोड - 802

पहली गतिविधि बहुत ही आसान एवं रोचक है। चित्र दिए गए हैं। वाहनों के नाम लिखने हैं। उन्हीं के माध्यम से विद्यार्थियों को पहचान करनी है कि कौन सा चित्र किस शब्द से जुड़ेगा। इसके पश्चात् शिक्षक विद्यार्थियों को विभिन्न वाहनों से यात्रा के दौरान प्राप्त अनुभव सांझा करने के लिए प्रेरित करे। विद्यार्थी अपने अनुभव सांझा करे। शिक्षक एक दो वाहनों के बारे में अपने अनुभव बताए। विद्यार्थी बस यात्रा या पहली साइकिल यात्रा के बारे में बताएँ। तत्पश्चात् कक्षा के समस्त विद्यार्थी अपने अनुभव अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें। कुछ विद्यार्थी लिखे गए अनुभव वाचन करें। शिक्षक द्वारा उनके सभी उत्तरों की जांच हो।

गतिविधि - 2 दक्षता कोड - 815

पुनरुक्त शब्दों की पहचान करने के लिए शिक्षक प्रश्न को श्यामपट्ट पर लिखे। विद्यार्थी उसके आधार पर पुनरुक्त शब्द पहचान कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें। शिक्षक द्वारा सही उत्तर बताए जाने पर सभी अपनी उत्तर पुस्तिका में उत्तरों की जाँच करें।

गतिविधि - 3 दक्षता कोड - 814

विशेषण शब्द की पहचान के लिए विशेषण की परिभाषा शिक्षक द्वारा बताई जाये। श्यामपट्ट पर सभी शब्द लिख दिए जाएँ। विद्यार्थी इनमें से विशेषण शब्द पहचान कर अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखे। शिक्षक सही उत्तरों की घोषणा करें। विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका में उसका मिलान करें।

गतिविधि - 4 दक्षता कोड - 805

शब्दों का प्रयोग कर सार्थक वाक्यों का निर्माण करते समय विद्यार्थी विशेष रूप से व्याकरणिक नियमों का ध्यान रखें। वाक्य के तत्वों के संदर्भ में विद्यार्थियों को बताया जाए ताकि सामान्य त्रुटियों से बचा जा सके। तीन शब्द बस, यात्रा, खाना श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं। एक–एक शब्द के आधार पर विद्यार्थी एक–एक वाक्य का निर्माण करें। बानगी के तौर पर कुछ विद्यार्थी कक्षा में खड़े होकर अपने द्वारा बनाए गए वाक्यों का उच्चारण करें। यदि उनमें त्रुटियाँ हैं तो शिक्षक त्रुटियों का निराकरण कर सही वाक्य के संदर्भ में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।

गतिविधि - 5 दक्षता कोड - 814

वर्ग पहेली में से विशेषण पहचान कर विद्यार्थी को अलग करने हैं। इसके लिए सभी विद्यार्थियों को वर्ग पहेली की छायाप्रति उपलब्ध करवा दी जाए। शिक्षक विशेषण की परिभाषा– जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते है। एक बार कक्षा–कक्ष में दोहरा दें। तत्पश्चात् विद्यार्थी अपने विवेक से विशेषण शब्दों की पहचान करें। शिक्षक वाक्य निर्माण के माध्यम से विशेषण की पहचान के संदर्भ में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के पश्चात् शिक्षक स्वयं सही उत्तर श्यामपट्ट पर लिखे। सभी विद्यार्थी उत्तरों का मिलान करें।

गतिविधि - 6 दक्षता कोड - 815

इस गतिविधि में समास की पहचान कर समास का नाम लिखना है। दो शब्द जब पास–पास आते है और उनके भी विभक्ति का लोप होता है तो यह प्रक्रिया समास कहलाती है। शिक्षक दोनों शब्द हँसी–मजाक और हरे–भरे श्यामपटट् पर लिख दें। विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में समास लिखे। शिक्षक दो बच्चों से अपने उत्तर बताने के लिए कहें। तत्पश्चात् शिक्षक स्वयं द्वन्द समास की परिभाषा बताते हुए उसकी पहचान बताए।

गतिविधि - 7 दक्षता कोड - 804

वर्णों को सही क्रम में रखते हुए सार्थक शब्द बनाने के लिए एक बार किसी एक विद्यार्थी से इनका वाचन करने के लिए कहा जाए। तत्पश्चात् विद्यार्थी अपने विवेक के आधार पर शब्दों का निर्माण करें। कक्षा से 5 विद्यार्थियों द्वारा बनाए शब्द घोषित किए जाएँ। अंत में शिक्षक स्वयं सही उत्तरों की घोषणा करे ताकि सभी विद्यार्थी अपने उत्तरों का मिलान कर सकें।

गतिविधि - 8 दक्षता कोड - 814

उपसर्ग की पहचान करने के लिए तीनों शब्द–निशान/सवार/असहयोग श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँ। शिक्षक उपसर्ग की परिभाषा दोहरा दें। तत्पश्चात् विद्यार्थी दिए गए शब्दों मे से उपसर्ग अलग करें। विद्यार्थी अपने उत्तर उत्तर–पुस्तिका में लिख लें। शिक्षक कुछ विद्यार्थियों से लिखे गए उत्तर पढ़ने को कहे। अतः शिक्षक स्वयं सही उत्तरों की घोषणा करे।

गतिविधि - 9 दक्षता कोड - 814

प्रत्यय पहचान हेतु समझदार/छोड़कर/सोचना शब्द श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएँ शिक्षक एक बार प्रत्यय की परिभाषा घोषित कर दे। तत्पश्चात् विद्यार्थी स्वयं इन शब्दों से प्रत्यय की पहचान करें। पाँच विद्यार्थी लिखे गए उत्तर कक्षा के समक्ष पढ़ें। शिक्षक सही उत्तर घोषित करें। सभी विद्यार्थी उसके आधार पर अपने उत्तरों का मिलान करें।

दक्षताओं की सूची

Competency code	Competency description
HIN601	विद्यार्थी कविता को हाव–भाव, लय–ताल, उतार–चढ़ाव के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं।
HIN602	विद्यार्थी देखी, सुनी घटनाओं, रचनाओं, मुद्दों पर बेझिझक बात कर सकते हैं और प्रश्न कर सकते हैं।
HIN605	विद्यार्थी किसी घटना का विवरण/प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं।
HIN606	विद्यार्थी कक्षा 6 के स्तर की विभिन्न पठन सामग्री जैसे अखबार, सूचनाएँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, निर्देश को पढ़ते हुए लिखित रूप में अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं और उसके बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं।
HIN608	विद्यार्थी कक्षा 6 के स्तर के परिचित एवं अपरिचित गद्यांश को पढकर समझ सकते हैं और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।
HIN610	विद्यार्थी कक्षा 6 के स्तर की विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्री जैसे– समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री को समझकर अपनी भाषा में लिख सकते हैं।
HIN611	विद्यार्थी कक्षा 6 के स्तर के कविता/दोहे को पढ़कर/सुनकर उसका भावार्थ लिख सकते हैं और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।
HIN612	विद्यार्थी कक्षा 6 के स्तर के गद्यांश, अनुच्छेद, कहानी, निबन्ध, जीवनी, कांकी का सार लिख सकते हैं और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। (तथ्यात्मक, निष्कर्षात्मक एवं कल्पनात्मक)
HIN613	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय संधि का संदर्भध्वाक्यों में प्रयोग कर सकते हैं।
HIN614	विद्यार्थी समरूपी भिन्नार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, देशज शब्द और समानार्थी शब्द को समझ सकते हैं।
HIN615	विद्यार्थी वाक्य निर्माण और पदक्रम को समझ सकते हैं।
HIN701	विद्यार्थी विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर/सुनकर समूह में उन पर चर्चा कर सकते हैं।
HIN703	विद्यार्थी परिवेश में मौजूद लोक कथाओं, लोकगीतों के बारे में पता करके उन पर चर्चा कर सकते हैं।
HIN705	विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक में आए हुए पाठ/अन्य पढ़ी हुईध्सुनी हुई सामग्री के मुख्य बिन्दुओं को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं और प्रश्नों के जवाब दे सकते हैं।
HIN706	विद्यार्थी कक्षा 7 के स्तर की विभिन्न पठन सामग्री जैसे अखबार, सूचनाएँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, निर्देश को पढ़कर समझ सकते हैं, अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं और प्रश्न पूछ सकते हैं।
HIN707	विद्यार्थी कक्षा 7 के स्तर की विभिन्न विधाओं जैसे– कहानी, कविता, दोहा, निबन्ध, एकांकी, संस्मरण, जीवनी से सम्बन्धित पाठों को उपयुक्त उतार–चढाव एवं सही प्रवाह के साथ पढ़ सकते हैं।
HIN708	विद्यार्थी कक्षा 7 के स्तर के परिचित एवं अपरिचित गद्यांश को पढ़कर समझ सकते हैं और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।
HIN709	विद्यार्थी नए शब्दों को पढ़कर अनुमान/संदर्भ में उसका अर्थ समझ सकते हैं।
HIN710	विद्यार्थी अपने/दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों/घटनाओं का विश्लेषण करते हुए लिख सकते हैं।
HIN711	विद्यार्थी कक्षा 7 के स्तर की विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्री जैसे– समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री को समझकर अपनी भाषा में लिख सकते हैं।
HIN712	विद्यार्थी कक्षा 7 के स्तर के कविता/दोहे को पढ़कर/सुनकर उसका भावार्थ लिख सकते हैं और उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।
HIN713	विद्यार्थी कक्षा 7 के स्तर के गद्यांश, अनुच्छेद, कहानी, निबन्ध, जीवनी, ,कांकी का सार लिख सकते हैं और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। (तथ्यात्मक, निष्कर्षात्मक एवं कल्पनात्मक)

cont.....

Competency code	Competency description
HIN714	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, विशेष्य, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, के भेदों तथा कारक, उपसर्ग, प्रत्यय संधि, समास के अर्थ को संदर्भ में समझकर उसका वाक्य/पाठ में प्रयोग कर सकते हैं।
HN715	N/A
HN716	N/A
HIN802	विद्यार्थी साहित्य की गद्य–पद्य विधाओं जैसे कविता, कहानी, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त, एकांकी निबन्ध आदि को पढ़कर उसके बारे में बता सकते हैं।
HIN804	विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक में आए हुए पाठध्अन्य पढ़ी हुईध्सुनी हुई सामग्री के मुख्य बिन्दुओं को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं और प्रश्नों के जवाब दे सकते हैं।
HIN805	विद्यार्थी कक्षा 8 के स्तर की विभिन्न पठन सामग्री जैसे अखबार, सूचनाएँ, होर्डिंग्स, विज्ञापन, निर्देश को पढ़ते हुए अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं और प्रश्न पूछ सकते हैं।
HIN808	विद्यार्थी पाठ्यपूस्तक को पढ़ने के दौरान समझने के लिए जरूरत पड़ने पर उपयुक्त संदर्भ सामग्री जैसे शब्दकोश, इन्टरनेट, किताबों की मदद ले सकते हैं।
HIN809	विद्यार्थी अपने/दूसरों के द्वारा अभिव्यक्त अनुभवों/घटनाओं में उचित/अनुचित, सही/गलत की व्याख्या करते हुए उन्हें लिखित रूप में अभिव्यक्त कर सकते हैं।
HIN810	विद्यार्थी कक्षा 8 के स्तर की विभिन्न प्रकार की पाठ्य सामग्री जैसे– समाचार पत्र, पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री को समझकर अपनी भाषा में लिख सकते हैं।
HIN812	विद्यार्थी कक्षा 8 के स्तर के गद्यांश, अनुच्छेद, कहानी, निबन्ध, जीवनी, एकांकी का सार लिख सकते हैं और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। (तथ्यात्मक, निष्कर्षात्मक एवं कल्पनात्मक)
HIN814	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय संधि, समास के भेदों को समझकर उनका विभिन्न संदर्भ में प्रयोग कर सकते हैं।
HIN815	विद्यार्थी युग्म शब्द, देशज शब्द, समरूपी भिन्नार्थक, पर्यायवाची विलोम, वाक्यांश के लिए एक शब्द, विकारी और अविकारी शब्द, शब्द एवं वाक्य (भेद सहित) को समझकर संदर्भ में उनका प्रयोग कर सकते हैं।
HIN816	विद्यार्थी मुहावरे, विराम चिह्न, उपमा व अतिश्योक्ति अलंकार का अर्थ संदर्भ में समझकर उसका वाक्य/पाठ में प्रयोग कर सकते हैं।

कक्षा 6 से 8 : मूल्यांकन सूची

Competencies	HIN601	HIN602	HIN605	HIN606	HIN608	HIN610	HIN611	HIN612	HIN613	HIN614	HIN615	HIN701	HIN703	HIN705	HIN706	HIN707	HIN708	HIN709	HIN710	HIN711	HIN712	HIN713	HIN714	HN715	HN716	HIN802	HIN804	HIN805	HIN808	HIN809	HIN810	HIN812	HIN814	HIN815	HIN816
Write student name																																			
Student 1																																			
Student 2																																			
Student 3																																			
Student 4																																			
Student 5																																			
Student 6																																			
Student 7																																			
Student 8																																			
Student 9																																			
Student 10																																			
Student 11																																			
Student 12																																			
Student 13																																			
Student 14																																			
Student 15																																			
Student 16																																			
Student 17																																			
Student 18																																			
Student 19																																			
Student 20																																			
Student 21																																			
Student 22																																			
Student 23																																			
Student 24																																			
Student 25																																			
Student 26																																			
Student 27																																			
Student 28																																			
Student 29																																			
Student 30																																			